लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

बुधवार, 20 अगस्त, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 40
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

जब सोच में मोच आती है, तब हर रिश्ते में खरोच आती है

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

संक्षेप

'मोहब्बत की दुकान नहीं, झूठ का शोरूम चला रहे', फर्जी वोटिंग के आरोपों पर BJP ने राहुल को घेरा

मुंबई, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 2024 महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कथित फर्जी वोटिंग के आरोपों पर दाखिल याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि याचिका में कोई ठोस सबूत नहीं है और यह कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। भाजपा नेता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी को घेरते हुए कहा कि वो मोहब्बत की दुकान नहीं, बल्कि झूठ का शोरूम चला रहे हैं। महाराष्ट्र में मतदाता डेटा को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए गए सवालों पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा नेता गौरव भाटिया ने कहा कि 40 घंटे तक झूठ फैलाकर लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश की गई और चुनाव आयोग की साख पर सवाल उठाए गए। उन्होंने सवाल उठाया कि इस झूठ की जिम्मेदारी कौन लेगा और क्या राहुल गांधी इसके लिए देश से माफी मांगेंगे। भाटिया ने कहा कि जब इतनी देर तक झूठी जानकारी फैलाई गई तो उसे देखने वाले लोग इसे सच मान बैठे होंगे। उन्होंने कांग्रेस पर जनता के विश्वास को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह सीधे-सीधे लोकतंत्र पर हमला है। भाजपा का कहना है कि विपक्ष लगातार संस्थाओं को बदनाम करने की राजनीति कर रहा है, जबकि देश की जनता सच्चाई को समझती है और इस तरह की साजिशों को कभी स्वीकार नहीं करेगी।

ब्रिटेन में दो सिखों पर किशोरों का हमला, बार-बार मारी लात; वीडियो वायरल होने के बाद हंगामा, तीन गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटेन में दो सिख बुजुर्ग व्यक्तियों पर तीन किशोरों ने हमला कर दिया। वॉल्वरहैम्प्टन के रेलवे स्टेशन के बाहर तीनों हमलावरों ने दोनों सिखों को जमकर पीटा। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद हंगामा मच गया। इसके बाद पुलिस ने तीन किशोरों को गिरफ्तार किया। लेकिन बाद में उनको जमानत पर रिहा कर दिया गया। शिरोमणि अकाली दल ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से इस मुद्दे पर ब्रिटेन सरकार से बात करने की मांग की है। घटना के वायरल वीडियों में दोनों सिख पुरुष जमीन पर पड़े हैं और एक हमलावर उन्हें बार-बार लात मार रहा है। दूसरा उसे खींचकर दूर ले जाता है। हमले के दौरान सिख पुरुषों की पगड़ियां उतर गई थीं और उनके बगल में पड़ी दिखाई दे रही हैं। शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से कहा कि वे ब्रिटेन सरकार के सामने यह मुद्दा उठाएं ताकि उस देश में रह रहे सिख प्रवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कहा कि मैं ब्रिटेन के वॉल्वरहैम्प्टन में दो बुजुर्ग सिख व्यक्तियों पर हुए भयावह हमले की कड़ी निंदा करता हूं। एक सिख की पगड़ी जबरन उतार दी गई। यह नस्लवादी घृणा अपराध सिख समुदाय को निशाना बनाता है, जो हमेशा सभी की भलाई चाहता है। हमले का एक वीडियो साझा करते हुए उन्होंने कहा कि सिख समुदाय अपनी उदारता और करुणा के लिए जाना जाता है और वे दुनिया भर में सुरक्षा और सम्मान के हकदार हैं।

नेहरू ने देश को 2 बार बांटा, सिंधु जल संधि से नहीं हुआ कोई फायदा... एनडीए सांसदों की बैठक में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) संसदीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने स्वीकार किया था कि पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि से भारत को कोई लाभ नहीं हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नेहरू ने देश का दो बार बंटवारा किया था, एक बार रेडक्लिफ रेखा के जरिए और दूसरी बार उस संधि के जरिए, जिसके तहत नदी का 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को दे दिया गया। यह समझौता भी किसान विरोधी था। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नेहरू ने एक बार देश का बंटवारा किया और फिर दोबारा। सिंधु

जल संधि के तहत 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को दे दिया गया। बाद में, अपने सचिव के माध्यम से नेहरू ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि इससे कोई लाभ नहीं हुआ।

सिंधु जल संधि किसानों के साथ विश्वासघात: जगदम्बिका पाल

बैठक में मौजूद भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल ने सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर करने को नेहरू द्वारा विश्वासघात बताया और कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री को इसके लिए संसद की मंजूरी लेनी चाहिए थी। पाल ने एएनआई से कहा कि देश के साथ विश्वासघात हुआ है। अगर वह (जवाहरलाल नेहरू) लोकतांत्रिक चुनाव में प्रधानमंत्री होते तो उन्हें इसके लिए संसद की मंजूरी लेनी चाहिए थी। कैबिनेट और संसद के विश्वास के बिना वह पाकिस्तान गए और समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद अकेले वापस आ गए। यह हमारे किसानों के साथ विश्वासघात है।

हमें गर्व है कि प्रधानमंत्री ने तथ्य बताए: रविशंकर प्रसाद

प्रधानमंत्री की टिप्पणी की सराहना करते हुए भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने नेहरू के नेतृत्व वाली सरकार की पाकिस्तान को 80 करोड़ रुपये देने के लिए आलोचना की। भाजपा नेता ने कहा कि हमें गर्व है कि प्रधानमंत्री ने तथ्य बताए। नेहरू जी ने न केवल कैबिनेट की मंजूरी या चर्चा के बिना संधि पर हस्ताक्षर किए, बल्कि उन्हें 80 करोड़ रुपये भी दिए। जब भी किसी संधि पर हस्ताक्षर किए जाते हैं, तो वह संसद में चर्चा के बाद ही किया जाता है। 14 अगस्त को भारत ने सिंधु जल संधि के तहत हेग स्थित मध्यस्थता न्यायालय द्वारा हाल ही में दिए गए फैसले को दृढ़ता से खारिज कर दिया और कहा कि न्यायालय में क्षेत्राधिकार, वैधता और क्षमता का अभाव है।

भारत ने स्थगित कर दिया है सिंधु जल संधि

साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान एएनआई के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए जायसवाल ने कहा कि भारत ने कभी भी तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय की वैधता, औचित्य या क्षमता को स्वीकार नहीं किया है। इसलिए इसके फैसले अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं, कानूनी स्थिति से रहित हैं और इनका भारत के जल उपयोग के अधिकारों पर कोई असर नहीं पड़ता है। अप्रैल में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद, जिसमें 26 लोग मारे गए थे भारत ने अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को तब तक स्थगित कर दिया है, जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन का त्याग नहीं कर देता।

भारत और पाकिस्तान के बीच नौ वर्षों की बातचीत के बाद 1960 में विश्व बैंक की सहायता से सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किये गये थे जो इस संधि का एक हस्ताक्षरकर्ता भी है। इस संधि के तहत पश्चिमी नदियां (सिंधु, झेलम, चिनाब) पाकिस्तान को तथा पूर्वी नदियां (रावी, व्यास, सतलुज) भारत को आवंटित की गयी हैं। इस बीच, उसी बैठक में प्रधानमंत्री ने एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन का भी परिचय कराया और उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय का जमीनी नेता बताया। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह (राधाकृष्णन) ओबीसी समुदाय के एक जमीनी नेता हैं, स्वभाव से सरल हैं और राजनीति में खेल नहीं करते हैं।

'धौंस और धमकी', ट्रंप टैरिफ वॉर के बीच भारत से बोला चीन; अमेरिका को जमकर सुनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। गलवान घाटी में सेना संघर्ष के बाद भारत और चीन रिश्तों को सुधारने में जुटे हुए हैं। इस कहानी की स्क्रिप्ट ऐसे समय में लिखी जा रही है जब डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के खिलाफ टैरिफ वॉर झेड़ दिया है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी भारत दौरे पर हैं और उन्होंने कल विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से बातचीत की। यह यात्रा एक मील का पत्थर साबित हो सकती है क्योंकि दोनों एशियाई शक्तियां ट्रंप के टैरिफ युद्ध से उत्पन्न वैश्विक व्यवधानों का मुकाबला करने के लिए अपने संबंधों को बेहतर बना रही हैं। बैठक में डॉ. जयशंकर ने कहा कि वांग की यात्रा द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा का अवसर है। उन्होंने बैठक के दौरान कहा, 'महामहिम, हमारे संबंधों में एक कठिन दौर देखने के बाद अब दोनों देश आगे बढ़ना चाहते हैं। इसके लिए दोनों पक्षों की ओर से एक स्पष्ट और रचनात्मक दृष्टिकोण की जरूरत है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस कोशिश में हमें तीन परस्पर सिद्धांतों - परस्पर सम्मान, परस्पर संवेदनशीलता और परस्पर हित से निर्देशित होना चाहिए। मतभेद विवाद नहीं बनने चाहिए, न ही प्रतिस्पर्धा संघर्ष।' उन्होंने यह भी कहा, 'महामहिम जब दुनिया के दो बड़े देश मिलते हैं तो स्वाभाविक है कि अंतर्राष्ट्रीय स्थिति पर भी चर्चा होगी। हम एक निष्पक्ष, संतुलित और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था चाहते हैं, जिसमें बहुध्रुवीय एशिया भी शामिल हो।

स्कूल फीस बिल पर आप का निशाना, कहा- मध्यम वर्ग के खिलाफ है यह कानून

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को निजी स्कूलों की फीस को नियंत्रित करने वाले नए शिक्षा विधेयक की आलोचना करते हुए इसे 'मध्यम वर्ग के अभिभावकों और छात्रों के खिलाफ' बताया। भारद्वाज ने आगे कहा कि पार्टी ने इस कानून के खिलाफ एक अभियान शुरू किया है और फीस वृद्धि के बारे में अभिभावकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए दिल्ली भर के निजी स्कूलों के बाहर पर्चे बांट रही है। भारद्वाज ने राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाताओं से कहा कि निजी स्कूलों की फीस को लेकर एक नया शिक्षा कानून बनाया गया है। यह पूरी तरह से निजी स्कूल मालिकों के लिए बनाया गया है और मध्यम वर्ग और बच्चों के अभिभावकों के खिलाफ है। इसके लिए हमने आज एक अभियान शुरू किया है।

वोटर अधिकार यात्रा में हादसा, राहुल-तेजस्वी की गाड़ी ने पुलिसकर्मी को मारी टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के नवादा में कांग्रेस की वोटर अधिकार यात्रा में एक पुलिसकर्मी के साथ बड़ी अनहोनी होते-होते बची। सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी को राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को ले जा रहे वाहन ने टक्कर मार दी। आनन-फानन सुरक्षा में तैनात अन्य कर्मियों ने ड्राइवर से वाहन को पीछे लेने के लिए कहा और उसे बचाया। इसके बादकांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने उस पुलिसकर्मी का हालचाल पूछा।

चुनाव आयोग और बीजेपी के बीच साझेदारी

उधर, राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग और बीजेपी के बीच साझेदारी है। दोनों मिलकर

वोट चोरी कर रहे हैं। उन्होंने ये भी कहा कि महागठबंधन बिहार में एक भी वोट चोरी नहीं होने देगा। नवादा के भगत सिंह चौक पर सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने ये बात कही।

बिहार में एक भी वोट चोरी नहीं करने देंगे

सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि वोट आपका अधिकार है। यह अधिकार संविधान देता है। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और चुनाव आयुक्त मिलकर यह अधिकार छीन रहे हैं। मैं, तेजस्वी और महागठबंधन के नेता कहना चाहते हैं कि बिहार में एक वोट भी चोरी नहीं करने देंगे।

किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों का है देश

राहुल गांधी ने कहा, बिहार में एसआईआर के नाम पर नए तरीके से वोट की चोरी हो रही है। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पहले आपका वोटर कार्ड जाएगा, फिर राशनकार्ड और फिर आपकी जमीन अडानी और अंबानी को दी जाएगी। यह देश अडानी और अंबानी का नहीं है। देश किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों का है।

हम अपने नेताओं के... चीनी विदेश मंत्री के साथ बैठक में अजित डोभाल ने कह दी बड़ी बात

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी इस समय भारत के दौरे पर हैं। भारत पर अमेरिकी टैरिफ के बीच उनका ये दौरा बेहद खास है। वांग यी ऐसे समय भारत आए हैं, जब कुछ ही दिनों बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात होनी है। रणनीतिक रूप से भी चीन के विदेश मंत्री का यह दौरा बेहद अहम है। इसे अमेरिका को सीधे मैसेज की तरह भी देखा जा रहा है।

इस बीच चीनी विदेश मंत्री ने मंगलवार को हैदराबाद हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से मुलाकात की। आज ही उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात होनी है। दोनों नेताओं के बीच भारत-चीन सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों (SR) की 24वें दौर की

वार्ता हुई। चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ बैठक के दौरान एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि एक सकारात्मक रुझान देखने को मिला है। सीमाओं पर शांति रही है। शांति और सौहार्द कायम रहा है।

नए माहौल से आगे बढ़ने में मिली मदद

बैठक के दौरान एनएसए अजित डोभाल ने कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंध और भी मजबूत हुए हैं। और हम अपने नेताओं के प्रति अत्यंत आभारी हैं, जो पिछले अक्टूबर में कजान में एक नया रुझान स्थापित करने में सफल रहे, और तब से हमें बहुत लाभ हुआ है। जो नया माहौल बना है, उससे हमें उन क्षेत्रों में आगे बढ़ने में मदद मिली है जिन पर हम काम कर रहे हैं।

दुष्कर्म के दोषी आसाराम की फिर बढ़ी अंतरिम जमानत की अवधि, 3 सितंबर तक मिली राहत

अहमदाबाद। आसाराम को 2013 के एक बलात्कार मामले में दोषी ठहराया गया था और गांधीनगर की एक अदालत ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। आसाराम पिछले काफी समय से स्वास्थ्य संबंधी दिक्क्तों के चलते जेल से बाहर हैं। न्यायमूर्ति इलेश वोरा और न्यायमूर्ति पीएम रावल की खंडपीठ ने आसाराम की अस्थायी जमानत को तीन सितंबर तक बढ़ा दी है। अंतरिम जमानत 21 अगस्त को खत्म हो रही थी। राजस्थान हाईकोर्ट 20 अगस्त को एक अन्य केस में अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई करेगा। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत 21 अगस्त तक बढ़ा दी थी। अदालत ने पहले उन्हें 7 जुलाई तक अंतरिम जमानत दी थी और बाद में एक और महीने के लिए राहत बढ़ा दी थी।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी होंगे विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए विपक्षी इंडिया गठबंधन ने मंगलवार को अपने उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। गठबंधन ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के सामने खड़ा किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। रेड्डी का फैसला मंगलवार को इंडिया गठबंधन की बैठक में लिया गया है, जो खड़गे के आवास पर हुई थी।

खड़गे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में रेड्डी को भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रगतिशील न्यायविदों में से एक बताया। उन्होंने कहा, रेड्डी का एक लंबा और प्रतिष्ठित कानूनी करियर रहा है, जिसमें आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट

के न्यायाधीश, गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में कार्य शामिल है। वह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के एक निरंतर और साहसी चैंपियन रहे हैं। खड़गे ने आगे कहा, वह एक भले आदमी हैं और यदि आप उनके कई फैसले पढ़ेंगे, तो आपको पता चलेगा कि कैसे उन्होंने गरीब लोगों का पक्ष लिया और संविधान और मौलिक अधिकारों की रक्षा भी की। खड़गे ने कहा, हम सभी जानते हैं कि उन्होंने गरीबों के लिए कैसे खड़े होकर संविधान की रक्षा की। यह एक वैचारिक लड़ाई है। हमने मिलकर उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एक साझा उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है।

गंगा और यमुना समेत 17 नदियां उफान पर, 25 शहरों में बाढ़ का संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश भर में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है और लगातार हो रही बारिश से हाल बेहाल है। इस बीच राज्यों में बहने वाली नदियां भी उफान मार रही हैं। केंद्रीय जल आयोग ने बाढ़ पूर्वानुमान को लेकर बड़ी जानकारी साझा की है। आयोग के मुताबिक, देश में करीब 17 नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं, जबकि कई पार करने की कगार में हैं। दिल्ली और भागलपुर समेत कई शहरों में बाढ़ का खतरा है।

आयोग के मुताबिक, दिल्ली में पिछले 3 दिनों से बारिश बंद है, लेकिन फिर भी यमुना नदी उफान पर है। मंगलवार को पुराने रेलवे पुल पर नदी का जलस्तर 205.78 मीटर दर्ज किया गया है, जो 205.33 मीटर खतरे के निशान के ऊपर है। यमुना में हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से 32,926 क्यूसेक, वजीराबाद से 66,310 और ओखला बैराज से 91,212 क्यूसेक पानी छोड़े जाने से

बाढ़ की संभावना बन रही है। इससे कई इलाकों में जलभराव का खतरा है। आयोग के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के बदायूं, फर्रूखाबाद और फतेहपुर के भिटौरा में गंगा नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। बाराबंकी, अयोध्या और बलिया में घाघरा नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। लखीमपुर खीरी के पलियाकलां में शारदा नदी और शाहजहांपुर के डाबड़ी में रामगंगा नदी उफान पर है। उत्तराखंड में हरिद्वार के रायसी में बाणगंगा खतरे के निशान को पार कर गई है।

आयोग के मुताबिक, बिहार के भागलपुर में गंगा, खगड़िया के बुढ़ही और कोसी, पूर्णिया में परमान नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। कर्नाटक के चामराजनगर में कावेरी और चिकमंगलुरू में तुंगा, बेलगाम में घाटप्रभा, महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में गाद, बागमती उफान पर हैं। तेलंगाना के सिरपुर में वर्धा, असम के बारपेटा में बेकी और सोनितपुर में जियाभराली, पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में गंगा, आंध्र प्रदेश के कुरनूल में तुंगभद्रा नदीं खतरे का निशान पार कर गई हैं।

मुंबई में बारिश से आफत, स्कूल और दफ्तर बंद; रेड अलर्ट जारी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में लगातार हो रही बारिश की वजह से लोग परेशान हो गए हैं। उपनगरों में पिछले 24 घंटे में 200 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई है। बारिश को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के रूप में कार्यरत बृहन्मुंबई नगर निगम (क्वरूष्ट) ने आवश्यक सेवाओं को छोड़कर अन्य सभी सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालय बंद करने को कहा है। निजी कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे कर्मचारियों से घर से काम कराएं। स्कूल भी बंद हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने मुंबई के अलग-अलग क्षेत्रों में बहुत भारी बारिश की संभावना को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। यहां 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। विक्रोली में सबसे अधिक 255.5 मिमी, सांताक्रूज में 238.2 मिमी, कोलाबा में 110.4 मिमी, बायकुला में 241 मिमी, जुहू में 221.5 मिमी और बांद्रा में 211 मिमी बारिश दर्ज हुई है। पालघर, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग के कॉलेजों में अवकाश घोषित है। इंडिगो एयरलाइंस ने भारी बारिश और जलभराव को देखते हुए मुंबई से उड़ान भरने वाले यात्रियों के लिए यात्रा सलाह जारी की है। इसमें कहा गया है कि बारिश के कारण हवाई अड्डे के कई मार्गों पर जलभराव और यातायात धीमा हो गया है, जिससे चुनौतियां पैदा हुई हैं। एयरलाइंस ने यात्रियों को समय से पहले निकलने और ऐप या वेबसाइट से उड़ान की स्तिथि पर नजर रखने को कहा है। मुंबई में बसों का मार्ग परिवर्तित किया गया है। आईएमडी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और दिल्ली के लिए कोई चेतावनी नहीं है। हालांकि, हल्की बारिश हो सकती है। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश होगी। महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा और गुजरात के कई इलाकों में बहुत भारी बारिश होने की संभावना को देखते हुए रेड अलर्ट जारी है।

डीएम ने की चकबंदी कार्यों की समीक्षा, मिशन मोड में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

» पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। मंगलवार को जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लोकसभागार में उप संचालक चकबंदी (डीडीसी) आलोक कुमार श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर जनपद में संचालित चकबंदी कार्यों की समीक्षा की। बैठक में जिलाधिकारी ने चकबन्दी गतिमान ग्रामों की धरावार प्रगति की जानकारी प्राप्त की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य मिशन मोड में संचालित कर समयबद्ध रूप से पूर्ण कराए जाएँ। उन्होंने कहा कि

कार्य की प्रत्येक अवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो ताकि कास्तकारों का प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने भदरास, मवइया, रसूलपुर और कान्हीपुर गांवों में चल रहे कार्यों की प्रगति पर जानकारी ली और उसे शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। सहावर, बिजौली, डिंगरी और बच्छराजमऊ गांवों में की जा रही गतिविधियों पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने लंबित आपत्तियों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। इसी प्रकार लाही, बबुआपुर,ओदार, जासेपुर,सलेमाबाद सहित अन्य ग्रामों में प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को तेज गति से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पुराने मुकदमों के निस्तारण पर विशेष बल देते हुए कहा कि चकबंदी से जुड़े पुराने मुकदमों का मेरिट के आधार पर शीघ्र और प्राथमिकता से निस्तारण किया जाए। इस दौरान उन्होंने प्रत्येक चकबंदी अधिकारी द्वारा निस्तारित मुकदमों की प्रगति देखी। इस अवसर पर उप संचालक चकबंदी (डीडीसी) आलोक कुमार श्रीवास्तव, बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी (एसओसी) संजय कुमार विश्वास, चकबंदी अधिकारी बी.के. मिश्रा, सुरेश कुमार शर्मा एवं सहायक चकबंदी अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बल्दीराय रजिस्ट्री ऑफिस में भ्रष्टाचार बेलगाम

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। सुल्तानपुर जिले का बल्दीराय रजिस्ट्री ऑफिस आज भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा गढ़ बन चुका है। यहां पर कानून और नियमों की कोई अहमियत नहीं, बल्कि बिचौलियों और रिश्वतखोरी का राज खुलेआम चल रहा है।

रजिस्ट्रार बीना झाँ के संरक्षण में कार्यालय में दर्जनों प्राइवेट कर्मचारियों को अवैध रूप से रखा गया है। जबकि हाईकोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया है कि सरकारी कार्यालयों में निजी व्यक्ति किसी भी तरह का काम नहीं करेंगे। इसके बावजूद आदेश की धज्जियाँ उड़ाकर जनता की गाढ़ी कमाई को लूटने का खेल जारी है। रजिस्ट्री कार्यालय में सीसीटीवी कैमरे तक नहीं लगाए गए, ताकि भ्रष्टाचार की परतें बाहर न आ सकें। आम नागरिक जब सीधी रजिस्ट्री कराने पहुंचते हैं तो

उन्हें घंटों दौड़ाया जाता है, वहीं बिचौलियों के ज़रिए आने वाले लोगों का काम मिनटों में निपटा दिया जाता है। रिश्वत और दलाली का ऐसा संगठित तंत्र बना दिया गया है, जिसमें बिना जेब ढीली किए कोई भी काम होना नामुमकिन है। जनता का आरोप है कि भूमाफिया और बिचौलियों की सीधी पहुँच रजिस्ट्रार तक है। यही वजह है कि यहां आम आदमी की आवाज़ दबा दी जाती है और हाईकोर्ट के आदेश को भी नजरअंदाज़ कर दिया जाता है। अब सवाल यह है कि जब न्यायालय के आदेशों को ही ठेंगा दिखाया जा रहा है, तो आम जनता को न्याय कैसे मिलेगा? यदि शासन-प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई नही की तो बल्दीराय रजिस्ट्री ऑफिस में भ्रष्टाचार और दलाली का यह खेल और ज्यादा बेलगाम हो जाएगा। जो आम जनता के लिए बड़ी मुसीबत बन रही है।

यातायात पुलिस द्वारा युवती के खोये हुये बैग को किया गया सुपुर्द

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। नित्या अवस्थी पुत्री राम प्रकाश अवस्थी निवासिनी धमेड़ी द्वितीय थाना रामनगर जनपद बाराबंकी द्वारा सूचना दी गयी थी कि लखनऊ से रामनगर, बाराबंकी आते समय थाना कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत पटेल तिराहा पर एक ऑटो में सामान सहित बैग छूट गया। थाना यातायात प्रभारी श्री रामयतन यादव व आ ई टी ए म ए स कार्यालय के संयुक्त व अथक प्रयास से विभिन्न चौराहे व रास्ते के सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से ऑटो को खोजकर सामान सहित बैग को युवती/छात्रा के सुपुर्द किया गया। बैग मिलने से युवती द्वारा बाराबंकी व यातायात पुलिस टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी।

2023 बैच की दरोगा...कुत्ते को बचाने में मौत ; कौन थीं रिचा सचान ? आईएएस बनने का सपना रह गया अधूरा

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में कवि नगर थाना है। यह थाना अपने एक तेजतर्रार अधिकारी को एक सड़क हादसे की वजह से खो चुका है। इस थाने में काम करने वाला हर व्यक्ति शोकाकुल है। अधिकारी का नाम रिचा सचान है। सोमवार देर रात लगभग 2 बजे थाने की ऑफिशियल मीटिंग के बाद बुलेट बाइक से रिचा वापस घर लौट रही थीं कि रास्ते में अचानक उनकी बाइक के सामने एक स्ट्रीट डॉग आ गया। कुत्ते को बचाने के लिए उन्होंने तुरंत बाइक एक तरफ मोड़ा। लेकिन इसी बीच पीछे से तेज रफ्तार आ रही एक वैगन-आर कार उनकी बाइक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रिचा सड़क पर गिर पड़ीं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित

कर दिया। रिचा 2023 बैच की सब-इंस्पेक्टर थीं और उनकी पहली तैनाती गाजियाबाद में ही हुई थी। रिचा की असमय मौत ने उनके परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। कानपुर निवासी रिचा अपने परिवार की सबसे छोटी और सबसे लाडली बेटी थीं। उनके पिता बाबूराम सचान खेती-बाड़ी का काम करते हैं और मां रेखा सचान एक गृहणी हैं। परिवार में रिचा के अलावा चार भाई-बहन और हैं।

रिचा के मां का कहना है कि रिचा पढ़ाई में बेहद तेज थीं और हमेशा से ही बड़े सपने देखती थीं। उनका सपना था कि वह भविष्य में आईएएस अफसर बनें। इस दिशा में वह तैयारी भी कर रही थीं। पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी रिचा हमेशा अव्वल रहती थीं। पिता बाबूराम सचान ने बताया कि उन्होंने सभी बच्चों की पढ़ाई का जिम्मा बराबरी से उठाया था। लेकिन रिचा सबसे छोटी होने के कारण सबकी चहेती थी। उनका स्वभाव इतना मिलनसार था कि जो भी उनसे एक बार मिलता, वह उनका कायल हो जाता। पिता की आंखों में आंसू थे जब उन्होंने बताया कि उन्हें कभी सोचा भी नहीं था कि उनकी बेटी इस तरह अचानक उनसे बिछड़ जाएगी।

मेरठ में की थी ट्रेनिंग

रिचा सचान ने अपनी ट्रेनिंग मेरठ स्थित पीटीएस में पूरी की थी। मार्च 2024 में ट्रेनिंग खत्म होने के बाद उनकी पहली तैनाती गाजियाबाद के कवि नगर थाने में हुई थी। नौकरी जॉइन करने के बाद रिचा ने अपना शौक भी पूरा किया और अपनी पसंदीदा बुलेट बाइक खरीदी। उन्हें बाइक चलाने का बेहद शौक था। लेकिन यही बाइक उनकी असमय मौत का कारण बन गई। हालांकि, हादसे के वक्त रिचा ने हेलमेट पहन रखी थी। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि हादसे के वक्त रिचा की बाइक की रफ्तार लगभग 50 किलोमीटर प्रति घंटा थी। उन्होंने बताया कि जैसे ही हादसे की सूचना मिली, पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायल रिचा को अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि रिचा की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो चुकी थी। इस घटना ने पुलिस विभाग में भी शोक की लहर दौड़ा दी है। सहकर्मी रिचा को मेहनती, होशियार और खुशमिजाज अधिकारी के रूप में याद कर रहे हैं। वह अपनी लगन और ऊर्जा के लिए जानी जाती थीं। परिवार और साथियों के लिए यह यकीन करना मुश्किल है कि महज 23-24 साल की उम्र में रिचा इस दुनिया को इतनी जल्दी छोड़ जाएंगी।

युवक ने किया आत्महत्या, कमरे में फंदे से लटका मिला शव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। जिले में एक युवक के फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। परिजनों की चीख पुकार सुनकर ग्रामीण पहुंचे और इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। यह पूरा मामला कुड़वार थाना क्षेत्र के तिवारीपुर गांव का है। मृतक की पहचान 28 वर्षीय चंद्रेश श्रीवास्तव के रूप में हुई है। मंगलवार की सुबह में चंद्रेश की पत्नी जब कमरे में पहुंचीं तो उन्होंने पति को फांसी के फंदे पर लटका देखा। उनकी चीख-पुकार सुनकर परिवार के अन्य सदस्य भी वहां पहुंच गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। वहीं, थाना प्रभारी अमित मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि चंद्रेश शांत स्वभाव के व्यक्ति थे और अक्सर घर पर ही रहते थे। तीन साल पहले उनकी शादी हुई थी और उनकी 15 महीने की एक बच्ची भी है। फिलहाल, मौत के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल सका है।

भूनी टोल प्लाजा का ठेका रद्द, कंपनी पर 20 लाख जुर्माना, आक्रोश अब भी बरकरार

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के सरूरपुर गांव गोटका निवासी सेना के जवान कपिल के साथ हुई मारपीट का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को आक्रोशित ग्रामीणों ने भूनी टोल प्लाजा पर हंगामा करते हुए तोड़फोड़ की और टोल को फ्री कर दिया था। इसके बाद मंगलवार को भी टोल फ्री रहा। हालांकि सुरक्षा की दृष्टि से पूरे दिन टोल प्लाजा पर पुलिसकर्मी तैनात रहे।

घटना को गंभीरता से लेते हुए एनएचएआई ने ठेका संचालित करने वाली मैमर्स धर्म सिंह कंपनी का कॉन्ट्रैक्ट निरस्त कर दिया और 20 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। इसके बावजूद ग्रामीणों का गुस्सा थमता नजर नहीं आ रहा। टोल बंद रहने से क्षेत्रीय लोगों ने राहत महसूस की, जबकि टोल कर्मियों में डर का माहौल बना रहा।

उधर, घायल जवान कपिल के घर नेताओं और पूर्व सैनिकों का

जमावड़ा लगा रहा। मंगलवार को उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्य मीनाक्षी भराला कपिल के घर पहुंचीं और परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

वहीं रालोद के पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष ने कहा कि कंपनी पर लगाया गया 20 लाख का जुर्माना पीड़ित परिवार को दिया जाए। इसके लिए वे केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी को पत्र लिखकर अवगत कराएंगे। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होती और पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलता, आंदोलन जारी रहेगा। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

पार्किंग स्थल बन गया सामुदायिक मिलन केंद्र

भदैया/सुल्तानपुर। सामुदायिक मिलन केंद्र यहां के प्रबंधन की अनदेखी के कारण अव्यवस्थाओं से जकड़ा हुआ है। भदैया विकास खण्ड परिसर में लाखों की लागत से बने समुदायिक मिलन केंद्र क्षेत्र पंचायत के हाल में ब्लाक के कर्मचारियों ने उसको मोटरसाइकिल पार्किंग बना दिया गया। वहीं गई बाइकें पूरे दिन मिलन केंद्र की शोभा बढ़ा रहीं हैं। जिससे पूरा मिलन परिसर बाइकों से पटा पड़ा रहता है। जबकि उसी भवन में कैंटीन भी मौजूद है जहां दूर दूर से आने वाले फरियादियों को कैंटीन के बाहर ही खड़े होने को मजबूर होना पड़ता है। यहां पर बैठने की व्यवस्था ना होने के कारण फरियादी पास के समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जाते हैं यहां इस हाल में लोग बाइक खड़ी कर देते हैं। जहां कुर्सी भी रखने की जगह नहीं मिलती। वहीं लोगों ने सहायक खंड विकास अधिकारी से शिकायत करने की बात कही है।

सो रहे युवक के ऊपर चढ़ा सांप, 30 मिनट तक मसलता रहा फन, बची जान

आर्यावर्त संवाददाता

ललितपुर। उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां एक युवक सो रहा था। इस दौरान उसके ऊपर सांप चढ़ा गया। सांप को देख युवक की हालत खराब हो गई। युवक सांप को देखते ही उससे बचने के लिए उसका फन पकड़ लिया और करीब 30 मिनट तक उसे हाथों में मसलता रहा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

ममला ललितपुर जिले के मड़ावरा थाना क्षेत्र के तिसगना गांव का है। यहां एक युवक अपने परिजन के साथ स्थानीय अस्पताल पहुंचा और कहने लगा – डॉक्टर साहब बचा लो, मुझे सांप ने काट लिया है। हालांकि डॉक्टरों की टीम ने जांच की तो युवक को सांप या किसी जहरीले कीड़े के काटने की पुष्टि नहीं हुई। युवक का नाम गोविंद बताया जा रहा है। उसकी उम्र 32 साल बताई जा

रही है।

युवक ने सांप के मुंह को पकड़ा

युवक के परिजन ने बताया कि वह सो रहा था। इसी दौरान उसके ऊपर सांप चढ़ गया। गोविंद ने डर के मारे सांप के मुंह को पकड़ लिया ताकि सांप हमला ना कर पाए और खुद भी डर से नीचे गिर गया। इस दौरान गोविंद ने लगभग आधे घंटे तक सांप को अपने हाथ में दबाए रखा और इसे मसलता रहा। इस दौरान सांप छटपटाता रहा और फिर कुछ समय में उसकी मौत हो गई।

युवक पूरी तरह स्वस्थ

इस घटना के बाद गोविंद इतना डर गया था कि वह चीखने चिल्लाने लगा, जिसकी वजह से परिवार वालों को लगा कि सांप ने गोविंद को काट लिया है। इसीलिए वह इस तरह चीख रहा है। घबराए परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे और उसे CHC मड़ावरा में भर्ती कराया। डॉक्टरों की टीम ने उसकी जांच की और उसे पूरी तरह स्वस्थ पाया, उन्होंने बताया कि उस पर साप के जहर का कोई असर नहीं है।

नगर विकास विभाग की समीक्षा बैठक में डीएम ने दिए निर्देश

स्वच्छता रैंकिंग सुधार, कल्याण मंडप व तालाब सौंदर्यीकरण पर विशेष बल

» सभी नगर निकायों में स्वच्छता व्यवस्था, अतिक्रमण नियंत्रण एवं विकास कार्यों को प्राथमिकता दें : डीएम

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में नगर विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जनपद के सभी नगर निकायों की कार्यप्रगति, स्वच्छता व्यवस्था, अतिक्रमण नियंत्रण, राजस्व वसूली और विकास योजनाओं की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर स्वच्छता समेत विभिन्न श्रेणियों में आने वाली रैंकिंग में जनपद की स्थिति बेहतर करने के लिए सभी निकाय गंभीरता से कार्य करें। उन्होंने अधिशासी अधिकारियों से अपेक्षा की कि स्वच्छता के प्रत्येक बिंदु पर समयबद्ध प्रगति दर्ज हो तथा फील्ड स्तर पर किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मार्गों, फुटपाथों और नालियों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्ज़ा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण की स्थिति मिलने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल विधिसम्मत कार्रवाई की जाए और जुर्माना वसूला जाए। साथ ही, नगर निकायों में अवैध प्लाटिंग पर रोक लगाने के लिए भी ठोस कदम उठाए जाने के निर्देश दिए।बैठक में जिलाधिकारी ने नगर निकायों में निर्माणाधीन कल्याण मंडपों की प्रगति पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इन मंडपों का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जाए ताकि जनता को समय पर सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। तालाबों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण पर बोलते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक निकाय अपने-अपने क्षेत्र में स्थित तालाबों पर विशेष ध्यान दे। उन्होंने निर्देशित किया कि इन पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न होने पाए तथा तालाबों को सुंदर और आकर्षक बनाने की दिशा में कार्य किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि तालाबों को साफ-सुथरा और सुरक्षित रखकर इन्हें आमजन के लिए उपयोगी बनाया जाए ।जिलाधिकारी ने नगर क्षेत्रों में स्थित पार्कों को भी साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। बैठक में राजस्व वसूली की प्रगति पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बकाया वसूली को प्राथमिकता पर लिया जाए और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही करने वाले कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए। उन्होंने कहा कि सभी नगर निकाय अपने-अपने राजस्व लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें।समीक्षा बैठक में अमृत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना तथा शहरी आजीविका मिशन जैसी योजनाओं की प्रगति भी परखी गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी(वि0रा0) अरुण कुमार सिंह,डिप्टी कलेक्टर विवेकशील,नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी, इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मनरेगा लोकपाल महेन्द्र विक्रम का कार्यकाल बढ़ा

सुलतानपुर। मनरेगा लोकपाल महेन्द्र विक्रम सिंह का कार्यकाल बढ़ा। श्री सिंह को राज्य व केंद्र सरकार ने उनकी ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्ष कार्यशैली को देखते हुए एक शासन ने फिर कार्यकाल का विस्तार प्रदान किया है। महेन्द्र विक्रम सिंह अपने पूर्व के कार्यकाल में साबित किया है कि अगर इच्छाशक्ति मज़बूत हो तो सबसे बड़ी योजनाओं में भी पारदर्शिता और जवाबदेही कायम की जा सकती है। मनरेगा में हो रहे भ्रष्टाचार की हर शिकायतों की जांच को ग्राम पंचायत स्तर पर जाकर और श्रमिकों की समस्याएं सुनकर उनका निस्तारण समयबद्ध तरीके से की। आज मनरेगा में हो रहे भ्रष्टाचार पर शिकायत दर्ज करने के आसान और भरोसेमंद विकल्प हैं। लोकपाल महेंद्र सिंह ने कहा कि भ्रष्टाचार से संबंधित कोई भी शिकायत चाहे कितनी छोटी क्यों न हो उसे पूरी गंभीरता और निष्पक्षता से निस्तारित किया जाएगा।

प्रसूता की मौत से नाराज परिजनों ने अस्पताल के सामने शव रखकर किया हंगामा, डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

बछरावां (रायबरेली)। रायबरेली के बछरावां कस्बे के निजी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान प्रसूता की गलत ढंग से ऑपरेशन कर दिया गया। हालत बिगड़ने पर उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया वहां पर उसकी मौत हो गई। मौत से नाराज परिजनों ने अस्पताल के सामने मृतका का शव रखकर कर लगभग छह घंटे तक हंगामा किया।

शिवगढ़ के अलौलापुर मजरे तौली गांव के रहने वाले अजय कुमार ने थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया कि बीती 15 अगस्त को उनके छोटे भाई आशीष कुमार की पत्नी ममता उर्फ पूजा (23) जो की 9 माह की गर्भवती थी। पहले उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुरौना महाराजगंज लेकर गए, वहां से उसे बछरावां कस्बे के एक निजी हॉस्पिटल की गाड़ी मंगवाकर भर्ती करा दिया।

परिजनों का आरोप है कि हॉस्पिटल के डॉक्टर ने ममता का लापरवाही से सिजेरियन ऑपरेशन कर दिया, जिससे ममता की हालत बिगड़ती देख उसे तुरंत दूसरे निजी हॉस्पिटल भेज दिया लेकिन वहां हॉस्पिटल प्रबंधन ने भर्ती नहीं किया तो फिर वहां से ममता को क्वीन मेरी अस्पताल लखनऊ ले गए, जहां इलाज से पहले ममता की मौत हो गई। अजय कुमार का आरोप है कि उनके भाई की पत्नी ममता की मौत हॉस्पिटल के डॉक्टर व स्टाफ की लापरवाही से हुई है। इस बारे में थानाध्यक्ष राजीव सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच की जा रही है। दोषियों के विरुद्ध कार्रावाई की जाएगी।

प्रदेश के पांच हजार स्कूलों में शुरू हुईं बाल वाटिकाएं, एक शिक्षामित्र या शिक्षक कर रहे हैं संचालित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में कम नामांकन वाले विद्यालयों के विलय (पेयरिंग) के बाद खाली हुए 5000 से ज्यादा विद्यालयों में 15 अगस्त से बालवाटिका की विधिवत शुरुआत हो गई है। बालवाटिका के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ बच्चों को पढ़ाने के लिए ईसीसीई एजुकेटर की तैनाती की जा रही है। जब तक ईसीसीई एजुकेटर की तैनाती की प्रक्रिया चल रही है।

तब तक इन विद्यालयों में पहले तैनात रहे एक शिक्षामित्र या शिक्षक को यहां के समन्वय के लिए लगाया गया है। दरअसल, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा की ओर से पांच अगस्त को जारी आदेश को लेकर शिक्षकों में ऊहापोह बना हुआ है। उनका कहना है कि मर्जर वाले विद्यालय के शिक्षक अपने मूल विद्यालय (बालवाटिका) में ही पढ़ाएंगे। किंतु विभाग ने कहा है कि इस आदेश की गलत व्याख्या की जा रही है। मर्जर वाले विद्यालय के शिक्षक अपने मूल विद्यालय में नहीं पढ़ाएंगे। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने कहा कि जब तक बालवाटिका के लिए ईसीसीई एजुकेटर की तैनाती चल रही है, तब तक एक शिक्षामित्र या शिक्षक, जो पहले यहां तैनात रहे हैं, उनको यहां पठन-पाठन के समन्वय के लिए कहा गया है। यह आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ मिलकर आवश्यक व्यवस्था करेंगे। यह विशेष रूप से 5 से 6 साल के बच्चों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने बताया कि लखनऊ समेत कई जिलों में ईसीसीई एजुकेटर की भर्ती की जा चुकी है। कुछ जिलों में चल रही है। जल्द ही इसकी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। ऐसे में इसे लेकर कोई भ्रम नहीं होना चाहिए कि एक शिक्षक दो-दो विद्यालयों में पढ़ाएंगे। न ही विलय के बाद शिक्षकों को उनके पूर्व के विद्यालय (विलय वाले) में भेजने की कोई प्रक्रिया चल रही है।

21 अगस्त से पूरे प्रदेश में फिर से सक्रिय होगा मानसून, इन जिलों के लिए जारी हुआ अलर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मंगलवार को पश्चिमी तराई इलाकों सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद आदि में कहीं हल्की तो कही मध्यम बारिश हुई। नजीबाबाद में सर्वाधिक 22.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग का कहना है कि बुधवार को भी प्रदेश के विभिन्न इलाकों में छिटपुट बारिश का दौर जारी रहेगा। वैज्ञानिकों के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में 21 अगस्त से एक नया वेदर सिस्टम सक्रिय हो रहा है। दोबारा सक्रिय होने के बाद मानसूनी बारिश प्रदेश के दक्षिणी हिस्से से प्रवेश करेगी। इसके बाद अगले तीन-चार दिन पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश की उम्मीद जताई गई है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक उत्तर प्रदेश में 21 अगस्त से मानसूनी बारिश में बढ़त देखने को मिलेगी। बंगाल की खाड़ी में एक नए वेदर सिस्टम के सक्रिय होने के पूरे प्रदेश में तीन से चार दिनों तक अच्छी बारिश के आसार हैं।

यूपी के मंत्री नंदी बोले, पूजा पाल को सच बोलना भारी पड़ गया... गुंडे-माफियाओं की तारीफ से सपा खुश होती है

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। यूपी सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने विधायक पूजा पाल को सपा से निष्कासित करने पर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पूजा पाल को सच बोलना भारी पड़ गया। सपा गुंडे और माफियाओं की तारीफ से खुश होती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ अखिलेश यादव को नागवार गुजरी।

उन्होंने कहा कि सपा सरकार में गुंडे-माफियाओं का राज था। पीड़ितों को थाने में बिठाया जाता था। सपा के कार्यकर्ता पुलिस को फरमान सुनाते थे। आरोप लगाया कि सपा की सरकार में कारसेवकों पर गोली चलवाई गई थी। सपा हमेशा सनातन को अपमानित करती है। गुंडे माफियाओं का साथ देती है। सपा समाप्तवादी पार्टी बनती जा रही है। विनाश काले विपरीत बुद्धों ईश्वर उनको सद्बुद्धि दे।

पूजा पाल को बीते दिनों अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कानून व्यवस्था को लेकर प्रशंसा की थी।

लखनऊ नगर निगम का कर बकायेदारों पर बड़ा अभियान, 24 से अधिक भवन सील और लाखों की वसूली

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने सोमवार को कर चोरी करने वाले बड़े बकायेदारों के खिलाफ एक साथ सख्त कार्रवाई की। ज़ोन-01, 03, 04 और 05 में चलाए गए इस विशेष अभियान में 24 से अधिक भवनों को सील किया गया, कुर्की की गई और लाखों रुपये की वसूली की गई। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने साफ कहा है कि कर न चुकाने वालों को अब किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।ज़ोन-01 में निगम की टीम ने कुल छह भवनों पर कार्रवाई की। इनमें कुछ भवनों से बकाया राशि वसूली गई, जबकि चारबाग और बाग शेरगंज स्थित भवनों को सील कर दिया गया।ज़ोन-03 में सबसे बड़ी कार्रवाई देखने को मिली, जहां 10 भवनों पर शिकंजा कसा गया। दिलकुशा प्लाज़ा, फैजुल्लागंज और गौरीगंज इलाके में सीलिंग और वसूली दोनों हुईं। कई भवनों से लाखों रुपये की रिकवरी की गई, वहीं कई को बकाया न चुकाने पर सील किया गया।ज़ोन-04 में पेपरमिल वॉर्ड स्थित दो भवनों की कुर्की की गई और करीब 78 हजार रुपये वसूले गए। इसके अलावा चार भवनों को सील कर दिया गया।ज़ोन-05 में भी छह भवनों को निशाना बनाया गया। अशरफाबाद नगर, इंद्रलोक और जाफ़र खेड़ा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए बकाया वसूली की गई और कई भवन सील किए गए।नगर आयुक्त गौरव कुमार ने दो टूक कहा कि बड़े बकायेदारों पर लगातार अभियान चलेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अधिकारी कार्रवाई में ढिलाई बरतेंगे तो उन्हें भी जवाबदेही निभानी पड़ेगी। निगम प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि समय पर कर का भुगतान न करने वालों की संपत्तियों को सील या कुर्क करने में कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। साथ ही शहरवासियों से अपील की गई है कि वे समय से अपना टैक्स जमा करें और ऐसी कार्रवाई से बचें।

चिनहट पुलिस ने महिला से मारपीट, धमकी और चोरी की वारदात का किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार, 4000 रुपये बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पुलिस कमिश्नरेट के जोन-पूर्वी अंतर्गत थाना चिनहट पुलिस ने महिला के साथ मारपीट, धमकी और घर में चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के पास से चोरी की नगदी 4000 रुपये भी बरामद किए हैं। इस कार्रवाई से क्षेत्र में घटना को लेकर व्याप्त भय और आशंका दूर हुई है।थाना चिनहट क्षेत्र में 16 अगस्त 2025 को महिला वादिनी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी ने उसके साथ मारपीट की, जान से मारने की धमकी दी और उसके घर का ताला तोड़कर नकदी चोरी कर ली। महिला की तहरीर पर थाना चिनहट में मुकदमा अपराध संख्या 420/ 25 धारा-115 (2) / 351 (2)/ 305ए/ 331(4) बीएनएस पंजीकृत किया गया था। विवेचना उपनिरीक्षक मोहित कुमार द्वारा की जा रही थी।घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों ने तत्काल प्रभाव से पुलिस टीम गठित की। विवेचना और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम ने 19 अगस्त 2025 को अभियुक्त फुरकान पुत्र दस्तगीर निवासी गंगवाई पठनान थाना असंदरा, जिला बाराबंकी (उम्र लगभग 26 वर्ष) को ग्राम शाहपुर वाले रास्ते के पास से गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त के पास से चोरी की नगदी 4000 रुपये भी बरामद की गई।पुलिस के अनुसार बरामदगी और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में अतिरिक्त धाराएं 318(4)/317(2) बीएनएस भी जोड़ी गई हैं। गिरफ्तारी और बरामदगी की इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक मोहित कुमार, उपनिरीक्षक विवेक मिश्रा, उपनिरीक्षक नवनीत और कांस्टेबल योगेश पाल की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

केंद्रीय टीम ने परखी एमडीए अभियान की हकीकत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। दिल्ली से आई तीन सदस्यीय केंद्रीय टीम ने प्रदेश में चल रहे सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान की गहन समीक्षा की। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीवीबीडी) की संयुक्त निदेशक डॉ. रिंकू सिंह की अध्यक्षता में टीम ने रायबरेली और फतेहपुर के प्रमुख स्थानों का दौरा किया। टीम को संतोषजनक परिणाम देखने को मिले।

इस समर्पित दल में डॉ. रिंकू के अलावा तकनीकी सहायता इकाई, प्रोजेक्ट कंसर्न इंटरनेशनल, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) के विशेषज्ञ भी शामिल थे, जो व्यापक और बहुआयामी मूल्यांकन सुनिश्चित करते हैं।

केंद्रीय टीम ने रायबरेली के बछरावां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का दौरा किया, जो स्थानीय आबादी के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा केंद्र है। इसके अलावा, बछरावां स्थित इचौली-सुभाष खेड़ा, रामपाल खेड़ा का भी भ्रमण किया। हरचंदपुर सीएचसी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गाँव डिघौरा का भी दौरा किया, जिससे उन्हें अभियान के कार्यान्वयन और जमीनी स्तर पर इसके प्रभाव की गहरी समझ हासिल करने में मदद मिली।

बछरावां सीएचसी में चिकित्सा अधीक्षक डॉ अर्पिता श्रीवास्तव ने माइक्रो प्लान प्रस्तुत किया, जिसमें बताया गया कि सीएचओ-पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफार्म (पीएसपी) के साथ पांच आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में बूथ स्थापित किए गए थे और चार अतिरिक्त बूथ उपलब्ध थे। सुभाष खेड़ा गांव (इंचौली) में टीम ने अद्यतन दस्तावेजों और उचित दवा प्रशासन के साथ आशा का संतोषजनक प्रदर्शन पाया। राम पाल खेड़ा और डिगुआरा गांवों में आकलन ने मिश्रित परिणाम दिखाए। डिगुआरा ने महिला स्वयं सहायता समूहों और हितधारकों के उच्च अनुपालन और भागीदारी का प्रदर्शन किया।

मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अर्पित उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में एनसीवीबीडीसी की डॉ. रिंकू सिंह ने स्थानीय हितधारकों और महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से समुदाय को जोड़ने में स्वास्थ्य प्रणाली के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अनुपालन और दवा सेवन में प्रगति को स्वीकार किया, लेकिन इनकार करने वालों को संबोधित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इनकार करने वालों के प्रबंधन पर दवा प्रशासकों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं का अनुभव करने वालों के लिए समर्थन को मजबूत करने की सिफारिश की।

समीक्षा बैठक में राही ब्लाक के बेला भेला गांव में एमडीए अभियान के दौरान संतोषजनक परिणाम न आने की भी बात आई। इस पर केंद्रीय टीम ने राही आयुष्मान आरोग्य मंदिर का भी दौरा किया और पाया कि फ्रंटलाइन कार्यकर्ता व पीएसपी सदस्य लोगों को समझा-बुझाकर दवा खिलाने की कोशिश में लगे हैं।

इस पर बल देते हुए एम्स रायबरेली के कम्युनिटी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. भोलानाथ ने पुष्टि की कि ₹हालांकि 2022-2024 से बड़े पैमाने पर दवा प्रशासन पर जागरूकता फैलाने के बढ़े हुए प्रयासों ने 65-70% कवरेज हासिल करने में मदद की है। शेष 30% तक पहुंचने के लिए उचित संदेश का उपयोग करके अधिक इनकार करने वालों जैसे कि वृद्ध और पुरुष व्यक्तियों वाली आबादी को लक्षित करने के लिए गहन प्रयासों की आवश्यकता होगी।'

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा ने बताया कि अभियान के दौरान दवा खाने से इनकार करने वालों को देखते हुए सीडीओ ने सभी चिन्हित क्षेत्रों के संबंधित अन्य विभागों के अधिकारियों को सहयोग के लिए पत्र लिखा है तथा सभी एमओआईसी को इस अभियान को सफल बनाने के लिए समीक्षा करने को कहा है। जिला मलेरिया अधिकारी रमेश यादव ने कहा कि इस बार अंतरविभागीय समन्वय बेहतर मिल रहा है। केंद्रीय टीम ने फतेहपुर में बिठौरा ब्लाक के भसौनी गांव का भ्रमण किया जहां फाइलेरिया के काफी मरीज हैं। इस गांव में दवा खाने से इनकार करने वालों की संख्या को देखते हुए संयुक्त निदेशक ने स्वास्थ्य टीम व पीएसपी सदस्यों से और कर्मठता से काम करने की हिदायत दी।

राजीव गांधी जयंती पर कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ का स्वास्थ्य शिविर, प्रदेशभर में कार्यक्रमों की रूपरेखा घोषित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में सोमवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी चिकित्सा प्रकोष्ठ के चेयरमैन डॉ. जियाराम वर्मा और नवनियुक्त प्रदेश कोऑर्डिनेटर डॉ. आज़ाद बेग ने संयुक्त रूप से प्रेसवार्ता की। इस अवसर पर कांग्रेस मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी और प्रदेश प्रवक्ता डॉ. सुधा मिश्रा भी मौजूद रहीं।प्रेसवार्ता में डॉ. जियाराम वर्मा ने बताया कि आधुनिक भारत के निर्माता, पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की 81वीं जयंती (सद्भावना दिवस) के अवसर पर 20 अगस्त को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय लखनऊ में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसमें गरीब, मजदूर, किसान, महिलाएं और बच्चों सहित जरूरतमंद लोगों को विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा निशुल्क परामर्श और दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस शिविर में 20 से 25 विशेषज्ञ चिकित्सक विभिन्न पद्धतियों—एलोपैथी, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक और यूनानी—के तहत परामर्श देंगे और दवाइयों का वितरण भी होगा। साथ ही रक्तदान शिविर भी आयोजित किया जाएगा।डॉ. आज़ाद बेग ने कहा कि स्वास्थ्य प्रत्येक व्यक्ति की प्राथमिकता है, इसलिए स्व. राजीव गांधी की जयंती पर सबसे पहले प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसके बाद आने वाले दिनों में प्रदेश के सभी जिलों में चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने वर्तमान सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह विफल करार देते हुए कहा कि कोरोना काल में ऑक्सीजन और चिकित्सा अव्यवस्थाओं के कारण आम लोगों के साथ-साथ मंत्री और विधायक तक जान गंवा बैठे। हाल ही में बिजनौर जिला अस्पताल में डायलिसिस मरीज की मौत बिजली और डीज़ल की कमी से होना स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली का उदाहरण है।डॉ. बेग ने आगे कहा कि कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ का लक्ष्य न केवल स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से जरूरतमंदों तक सेवाएं पहुंचाना है, बल्कि चिकित्सकों के हितों की रक्षा करना भी है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों के लिए सुरक्षित कार्यस्थल, उचित वेतन और प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संगठन संघर्ष करेगा। वहीं मरीजों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए कमजोर तबके के लिए सस्ती और सुलभ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना भी प्राथमिकता होगी।उन्होंने बताया कि कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ आने वाले समय में स्वास्थ्य नीतियों में सुधार हेतु सरकार से संवाद करेगा और जरूरत पड़ने पर सड़क पर उतरकर संघर्ष करने से भी पीछे नहीं हटेगा। आम जनमानस में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के लिए सामुदायिक कार्यक्रम और चिकित्सा शिक्षा से जुड़ी पहलें चलाई जाएंगी।

बीबीएयू में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु स्पेशल ड्राइव शुरू

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर (PG) पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों को भरने के लिए स्पेशल ड्राइव के तहत आवेदन आमंत्रित किए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 19 अगस्त से शुरू हो चुकी है, जिसकी अंतिम तिथि 25 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है । अ भ्य र्थी https://bbaucet.samarth.edu.in/pg/ पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के अभ्यर्थियों के लिए पंजीकरण शुल्क ₹500/- रखा गया है, जबकि अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और दिव्यांगजन (PwD) अभ्यर्थियों के लिए शुल्क ₹300/- निर्धारित है।

लखनऊ में हुई शराबबंदी संघर्ष समिति की बैठक, सामाजिक-राजनीतिक संगठन विस्तार पर हुआ विचार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आज इंसाफ़ नगर स्थित शराबबंदी संघर्ष समिति (PECT) के कार्यालय में उत्तर प्रदेश के कई ज़िलों से आए प्रतिनिधियों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि दलित, पिछड़े और मुस्लिम समाज पर हो रहे ज़ुल्म और शोषण को रोकने के लिए आवश्यक है कि समाज के लोग स्वयं निस्संकोच, निस्संदेह और निस्स्वार्थ भाव से आगे आकर मज़लूमों (पीड़ितों) के साथ खड़े हों और हर संभव सहयोग करें।बैठक में कहा गया कि गाजीपुर से लेकर गाज़ियाबाद तक शोषण के शिकार लोगों की आवाज़ बुलंद करना, उनके बीच पहुंचना और उन्हें हिम्मत देना ही संगठन का प्रमुख उद्देश्य होगा।निर्णय लिया गया कि संगठन की मज़बूत नींव रखने के लिए राजनीतिक रूप से अनुभवी व्यक्तियों, सेवानिवृत्त अधिकारियों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं, पत्रकारों, यूट्यूबर, शिक्षित महिलाओं तथा संसाधन एवं आर्थिक-शैक्षिक रूप से सक्षम लोगों को मिलाकर 30 सदस्यीय संस्थापक समिति बनाई जाएगी। इसके बाद उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में अनुभव और योग्यता के आधार पर इकाइयाँ गठित की जाएंगी।बैठक में यह भी कहा गया कि यह मंच राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में ईमानदारी व नेकनीयती से काम करने वालों को आगे बढ़ाने का कार्य करेगा।

उत्तर प्रदेश सरकार ने मेधावी छात्रों के लिए "अटल बिहारी बाजपेयी छात्रवृत्ति योजना" शुरू की

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी के साथ उत्तर प्रदेश सरकार तथा जेम थेवतमपहद ब्वउउवदूमंसजी के बीच "चिवनिंग-भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना" के संचालन हेतु समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ।उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के मेधावी छात्र-छात्राओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना है। इसके तहत प्रत्येक वर्ष पाँच प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें यूनाइटेड किंगडम के किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय में एक वर्षीय मास्टर डिग्री के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी। यह योजना शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से प्रारंभ होकर तीन वर्षों (2025-26, 2026-27 और 2027-28) तक संचालित होगी। वर्ष 2028-29 से इसे नवीनीकरण के बाद जारी रखा जाएगा।मंत्री ने बताया कि छात्रवृत्ति में पूर्ण शिक्षण शुल्क, परीक्षा एवं शोध शुल्क, रहने-खाने के लिए पर्याप्त मासिक भत्ता और निवास स्थान से यूके तक इकोनॉमी क्लास का एक बार आने-जाने का हवाई किराया शामिल होगा। प्रत्येक छात्र पर लगभग 38.05 लाख से 42.08 लाख रुपये का व्यय होगा, जिसमें से लगभग 23 लाख रुपये उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वहन किए जाएंगे, जबकि शेष राशि का निर्वहन जेम थेवतमपहद ब्वउउवदूमंसजी करेगा।योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी की प्रेरणा से आरंभ की गई यह योजना प्रदेश के छात्रों को वैश्विक स्तर पर शिक्षा, शोध और नेतृत्व में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर देगी।

प्रादेशिक स्टाफ प्रशिक्षण एवं शोध केंद्र, अलीगंज में कैपेसिटी बिल्डिंग प्रशिक्षण का निरीक्षण

लखनऊ। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के अंतर्गत प्रादेशिक स्टाफ प्रशिक्षण एवं शोध केंद्र (प्ज्ब्ज), अलीगंज में चल रहे कैपेसिटी बिल्डिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने निरीक्षण किया।इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे नवनियुक्त प्रशिक्षकों को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण की गुणवत्ता, कौशल तकनीक और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षकों को इस प्रकार प्रशिक्षित किया जाए कि वे भविष्य में प्रशिक्षार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने में सक्षम बनें।संस्थान के निदेशक (प्राविधिक) डीके सिंह ने विभिन्न व्यवसायों एवं प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी साझा की और बताया कि प्रशिक्षक अपने-अपने संस्थानों में प्राप्त ज्ञान का प्रयोग कर अधिकाधिक प्रशिक्षार्थियों को लाभान्वित कर सकते हैं।

लम्पी रोग से गोवंश की सुरक्षा को लेकर पशुधन मंत्री ने दिए कड़े निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने लम्पी रोग के संक्रमण से गोवंश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेशभर की गोशालाओं का नियमित निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं और एफएमडी एवं एलएसडी रोगों से पशुधन की सुरक्षा हेतु पर्याप्त टीकाकरण कराया जाए।मंत्री ने महराजगंज, सोनभद्र, कुशीनगर, भदोही, बलिया, गाजीपुर, चन्दौली और वाराणसी जिलों में 10 किलोमीटर चौड़ी बेल्ट बनाकर लम्पी रोग से बचाव हेतु वैक्सीनेशन अभियान संचालित करने का आदेश दिया। जिन क्षेत्रों से लम्पी रोग के संक्रमण की सूचना मिले, वहां बार्डर सील करके गोवंश के आवागमन पर रोक लगाई जाए। इसके साथ ही पशुपालन निदेशालय में स्थापित कंट्रोल रूम के टोलफ्री नंबर 1800 1805 141 पर प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही की जाएगी।धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि टीकाकरण और उपचार के कार्यों में कोई कमी न हो। गोवंश की हानि न हो इसके लिए जनपदों में वैक्सीन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण कराया जाए। साथ ही गोशालाओं में गायों के लिए चारा, भूसा, पानी और औषधियों की पर्याप्त व्यवस्था हो।मंत्री ने लम्पी रोग के रोकथाम के लिए उपचार, टीकाकरण और जनजागरूकता कार्यों को तीव्र गति से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वैक्सीनेशन कार्य, गोआश्रय स्थलों और गोसंरक्षण केंद्रों के सैनेटाइजेशन तथा स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने को कहा।बैठक में पशुधन विभाग के प्रमुख सचिव अमित कुमार घोष ने मंत्री को विभाग द्वारा किए जा रहे लम्पी रोग नियंत्रण और बचाव कार्यों की जानकारी दी।

असली अवसरवादी राजनीति

तेलंगाना की मुख्य विपक्षी पार्टी भारत राष्ट्र समिति के 10 विधायकों के पाला बदल कर कांग्रेस में जाने के मामले में विधानसभा के स्पीकर के सुप्रीम कोर्ट ने सख्त निर्देश दिया है। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि स्पीकर इन विधायकों की अयोग्यता के मामले में तीन महीने के अंदर फैसला करें। असल में इस मामले के एक साल से ज्यादा हो गए हैं। नवंबर 2023 में तेलंगाना में विधानसभा चुनाव हुए थे और कांग्रेस पार्टी ने अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल किया था। चुनाव के थोड़े दिन के बाद मुख्य विपक्षी पार्टी भारत राष्ट्र समिति के विधायकों के टूट कर कांग्रेस में शामिल होने का सिलसिला शुरू हुआ। यह कोई नई बात नहीं है। अवसरवादी राजनीति के लिए उत्तर भारत की हिंदी पट्टी को बेवजह बदनाम किया जाता है।

असली अवसरवादी राजनीति तो दक्षिण के राज्यों में देखने को मिलती है। 2023 से पहले 10 साल तक बीआरएस का राज था तो कांग्रेस के दर्जनों बड़े नेता पाला बदल कर उसके साथ चले गए थे और अब कांग्रेस का राज आया तो उसी अनुपात में बीआरएस के नेता पाला बदल कर कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। बहरहाल, अवसरवादी राजनीति एक अलग मसला है।

अभी तात्कालिक मसला यह है कि बीआरएस छोड़ कर 10 विधायक कांग्रेस में शामिल हुए तो दलबदल विरोधी कानून के आधार पर क्यों नहीं उनकी सदस्यता समाप्त होनी चाहिए? इसमें कोई रॉकेट साइंस नहीं है। 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 64 सीटें मिली थीं और बीआरएस को हिस्से में 39 सीटें आई थीं। दलबदल विरोधी कानून के तहत बीआरएस के टूटने के लिए कम से कम 26 विधायकों का एक साथ आना जरूरी है। अगर उससे कम विधायक टूटते हैं तो उनके ऊपर दलबदल विरोधी कानून लागू होता है और उनकी सदस्यता समाप्त होती है। हालांकि ऐसा नहीं है कि इससे कम विधायक चाहें तो नहीं टूट सकते हैं। वे टूट सकते हैं लेकिन तब उनको विधानसभा से इस्तीफा देना होगा और उनकी सीट पर उपचुनाव होगा। तेलंगाना में इस बेसिक सिद्धांत का उल्लंघन हो रहा है। बीआरएस के 10 विधायक घोषित रूप से कांग्रेस में शामिल हो गए हैं और बीआरएस की ओर से शिकायत के बावजूद स्पीकर उनको अयोग्य नहीं ठहरा रहे हैं। अब सुप्रीम कोर्ट ने स्पीकर के लिए तीन महीने की समय सीमा तय कर दी है। इस समय सीमा के अंदर उनको फैसला करना होगा। अगर वे बीआरएस से पाला बदलने वाले विधायकों को अयोग्य ठहराते हैं तो उनकी सीटें खाली होंगी और उपचुनाव होगा और अगर अयोग्य नहीं ठहराते हैं तो सुप्रीम कोर्ट में उनकी अयोग्यता पर सुनवाई होगी। तब यह देखना दिलचस्प होगा कि स्पीकर क्या तर्क देते हैं। यह सुनवाई बहुत दिलचस्प और आगे का रास्ता बनाने वाली हो सकती है। हो सकता है कि सुप्रीम कोर्ट हमेशा के लिए इस मामले को सुलझाए और ऐसे मामले में स्पीकर के फैसला करने के लिए एक समय सीमा तय कर दे। आखिर सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभाओं से पास विधेयकों पर फैसला करने के लिए राज्यपाल और यहां तक कि राष्ट्रपति के लिए भी एक समय सीमा तय की है। इसको लेकर विवाद चल रहा है और राष्ट्रपति ने अनुच्छेद 142 के तहत प्रेसिडेंशियल रेफरेंस सुप्रीम कोर्ट को भेजा है। परंतु तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल के मामले में दिया गया सुप्रीम कोर्ट का वह फैसला नजीर बन गया है। सो, संभव है कि विधायकों की अयोग्यता के मामले में सुप्रीम कोर्ट स्पीकर के लिए एक समय सीमा तय करे। हालांकि बेहतर यह होता कि सुप्रीम कोर्ट के ऑब्जर्वेशन के आधार पर संसद में इसे लेकर नया कानून बनता। आखिर अगर संविधान में किसी मसले पर चुप्पी है और चुप्पी का फायदा उठा कर संवैधानिक पदों पर बैठे लोग एक या दूसरे राजनीतिक दल को फायदा या नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं तो उस पर कानून बनाने का काम तो संसद को ही करना होगा! ध्यान रहे संविधान में इसके लिए कोई समय सीमा नहीं निर्धारित की गई है। जैसे राज्यपालों के लिए कोई समय सीमा नहीं है कि वे कितने दिन के अंदर किसी विधेयक पर फैसला करेंगे वैसे ही स्पीकर के लिए समय सीमा तय नहीं है कि अयोग्यता की शिकायत पर वह कितने दिन में फैसला करेगा। इस लूपहोल का फायदा कई बार सत्तारूढ़ दल की ओर से नियुक्त स्पीकर उठा चुके हैं। झारखंड की पिछली विधानसभा में तीन विधायकों बाबूलाल मरांडी, बंधु तिर्की और प्रदीप यादव की अयोग्यता का मामला पूरे पांच साल तक लंबित रहा। इस विवाद की वजह से चार साल तक झारखंड विधानसभा में नेता विपक्ष ता पद खाली रहा क्योंकि भाजपा ने बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता चुना था, जबकि उनके खिलाफ अयोग्यता का मामला स्पीकर के पास लंबित था और वे उस पर फैसला नहीं कर रहे थे। क्या किसी सभ्य लोकतंत्र में ऐसी स्थिति की कल्पना की जा सकती है? महाराष्ट्र में भी स्पीकर ने शिव सेना के विधायकों की अयोग्यता का मामला लंबे समय तक लंबित रखा था।

ड्रोन लुटेरों' से फैली दहशत की हकीकत क्या?

ड्रोन की घटनाएं हकीकत हैं या अफवाह? ये अनसुलझी पहेली जैसा है। वैसे, पिछले दो सालों से 'स्वामित्व योजना' के तहत केंद्र सरकार ग्रामीण भूमि का सर्वेक्षण भी ड्रोनों से करवा रही है।

डॉ. रमेश ठाकुर

'ड्रोन गिरोह' की अफवाहों ने शांति-व्यवस्था में खलबली मचा रखी है। विशेषकर ग्रामीणों में, जहां दहशत की स्थिति बनी हुई है। ड्रोन चारों के भय से लोग सारी-सारी रात जगे रहते हैं। प्रभावित दो-तीन राज्यों में करीब महीने भर से ड्रोन चोरों के भय से लोग इतने भयभीत हैं कि वह रातों में जाग-जाग कर अपने घरों और परिजनों की पहरेदारी कर रहे हैं। डरे हुए लोग 'ड्रोन चोरों को 'आसमानी चोर' कहने लगे हैं। आकाश में रात के वक्त सैकड़ों फीट उंचाई पर मंहराते रहस्यमय ड्रोनों से सन्नाटा इस कदर फैला है कि पेड़-पौधों के पत्तों की सरसराहट या झींगुरों की भिनभिनाहट मात्र से भी लोग डर जाते हैं। देखा जाए तो देहात क्षेत्रों में ड्रोन चोरों की अफवाहों का बाजार काफी समय से गर्म है। बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस महकमा भी अलर्ट मोड़ पर है। रात में जायजा लेने को पुलिस-प्रशासन के आला अफसर भी ग्रांउड जीरो पर उतरे हुए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस ने जागरुकता अभियान भी छेड़ रखा है। दरअसल, अफवाह लोगों की नासमझी से ज्यादा फैल रही है। ड्रोन दिखाई पड़ने पर वह पुलिस से संपर्क करने के बजाय सोशल मीडिया पर अनापशनाप गलत सूचनाएं फैला देते हैं जिससे स्थिति और पैनिक हो रही है। हालांकि, ऐसे लोगों पर पुलिस सख्ती भी दिखा रही है।

ड्रोन की घटनाएं हकीकत हैं या अफवाह? ये अनसुलझी पहेली जैसा है। वैसे, पिछले दो सालों से 'स्वामित्व योजना' के तहत केंद्र सरकार ग्रामीण भूमि का सर्वेक्षण भी ड्रोनों से करवा रही है। योजना मार्च-2026 तक पूरी होनी है। करीब 3 लाख 44 हजार गांवों का सर्वेक्षण होना है। इसके पीछे सरकार का मकसद ग्रामीण संपत्ति के मालिकों को उनकी संपत्ति का मास्टर कार्ड वितरण करना है। 92 फीसदी कार्य 'ड्रोन मैपिंग' से पूरा हो चुका है जिसमें 31 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। सवाल ये भी उठता है क्या इस वक्त जो ड्रोन उड़ रहे हैं, वो इसी योजना का हिस्सा हैं? अभी तक कोई तथ्यात्मक सच्चाई मुकम्मल रूप से बाहर नहीं निकल पाई। जबकि, प्रथम दृष्टया प्रशासन ने ड्रोन घटनाओं को अफवाह ही माना है। ड्रोन की घटनाओं के पीछे कोई ऐसी हकीकत तो नहीं छिपी जिसे शासन-प्रशासन और सुरक्षा महकमा सार्वजनिक ना करना चाहता हो? राष्ट्र सुरक्षा से जुड़ा तो कोई मसला नही? हालांकि ऐसे नाना-प्रकार के कयासों की मंड़ियां सजी हुई हैं। सच्चाई के असल नतीजों तक अभी कोई नहीं पहुंच पाया। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के तकरीबन जिलों में इस समय ड्रोन लूटेरों की ही चर्चाएं हैं।

धीरे-धीरे ये दहशत अब अन्य राज्यों में भी फैलती जा रही है। हरियाणा, पंजाब, बिहार, मध्यप्रदेश में भी आधुनिक चोरों से जुड़ी अजीबोगरीब अफवाहें फैल गई हैं। बिहार के सासाराम और मध्यप्रदेश के गुना जिले में भी ड्रोन उड़ते देखे गए हैं। अफवाहें हैं कि चोर रात्रि में घरों का ड्रोन से सर्वेक्षण करते हैं और अगली रात धाबा बोलते हैं। एकाध घटनाएं घटी भी हैं, लेकिन उन घटनाओं से कोई हकीकत सिद्ध नहीं हुई। पुलिस-प्रशासन दोनों भी इस अनसुलझी पहेली में उलझे हुए हैं। प्रशासनिक स्तर पर ड्रोन की घटनाओं को बेशक अफवाह बताई जा रही हों। पर, ग्रामीण मानने को राजी नहीं? वह ड्रोन चोर या आसमानी चोर ही माने बैठे हैं। बीते मात्र तीन हफ्तों में उत्तर प्रदेश में 365 और उत्तराखंड में 245 घटनाएं घटी हैं। गौरतलब है कि अफवाहों के गर्भ से निकली ड्रोन चोरी की ये घटनाएं अब हिंसा में बदलने लगी हैं। गत दिनों बिजनौर के कोतवाली क्षेत्र में रात के वक्त एक खूनी घटना घटी जिसमें एक औरत का गला चाकू से रेतकर उसे जहर का इंजेक्शन देने का प्रयास हुआ। गनीमत ये रही कि उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया। सुबह पुलिस ने छानबीन कर आसपास के लोगों से पूछताछ की, तो पता चला महिला पर हमला ड्रोन चोरों ने नहीं, बल्कि पड़ोसी ने किया जिनसे उनका पुराना जमीन विवाद चल रहा है। चोर समझकर अंधेरे में चलने वाले राहगीरों के साथ मारपीट की घटनाएं भी बढ़ी हैं। शराबियों की तो सामात ही आई हुई है। बिलावजह हादसे का शिकार न हो जाएं, इसलिए रात्रि पाली में काम करने वाले कर्मचारी भी घरों से बाहर नहीं निकल रहे। ऐसे भी घटनाएं खूब सामने आ रही हैं, जहां ड्रोन चोरों की आड़ में लोग अपनी पुरानी दुश्मनी निकाल रहे हैं। दशहत और अफवाहें इस कदर देहतों में व्याप्त है कि आसमान में चमकती रौशनी को भी ड्रोन समझ कर अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है।

दहशत के चलते ग्रामीण पूरी-पूरी रात अपनी छतों पर बल्ब और टॉर्च जलाकर बैठे रहते हैं। जुगनुओं की रौशनी से भी चिल्ला पुकार मचने लगता है। सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में ड्रोन चोरों ने कुछ ज्यादा माहौल बिगाड़ा हुआ है। माहौल जैसे-जैसे बिगड़ना तेज हुआ, तो राज्य सरकार का ध्यान एकाएक उस ओर गया। मुख्यमंत्री ने तत्काल आपातकाल बैठक बुलाई। हालांकि, उससे पहले ही अधिकारियों ने शासन को ड्रोन्स के संबंध में कुछ उत्पाती लोग उन्माद फैलाने की फिराक में होना दर्शा दिया था। शासन ने निर्णय लिया है कि ड्रोन के ज़रिए डर पैदा करने या ग़लत सूचना फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट और एनएसए के तहत कार्रवाही की जाएगी। लेकिन, शासकीय चेतावनी के बाद भी ड्रोन का उड़ना लगातार जारी है। दो दिन पहले भी मुख्यमंत्री योगी की अध्यक्षता में एक और उच्च-स्तरीय कानून-व्यवस्था को दुरूस्त करने को लेकर बैठक हुई, जिसमें बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाने वालों के खिलाफ कार्रवाही का आदेश पारित हुआ। जिसके उलघन में कुछ यूट्यूबर और कैटरिंग वाले पकड़े गए। फिलहाल, पुलिस की पूछताछ में उनकी ड्रोन हरकतों में संलिप्ता नहीं मिली।

गौतललब है, भारत के विभिन्न प्रदेशों में समय-समय पर किस्म-किस्म के चोर गिरोहों से अफवाहें फैलती रही हैं। चोटी कटवा, कच्छा-बनिया गिरोह, बाबा गिरोह, तलवारधारी गिरोह जैसे तमाम चोरों के गिरोह की सूचनाएं पुर्व में सुनने को मिलती रहीं। मौजूदा ड्रोन से जुड़ी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए उत्तराखंड और यूपी सरकार ने बकायदा पुलिस हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। जहां रात्रि के वक्त रोजाना सैकड़ों कॉल्स ड्रोन देखे जाने के संबंध में आ रही हैं। 7900 कॉल्स को पुलिस ने अभी तक रिकॉर्ड किया है जिसकी सत्यता पूरी तरह उन्माद से प्रेरित ही पाई गई। ड्रोन देखे जाने की सूचनाएं ज्यादातर अफवाहें ही साबित हो रही हैं जिनका किसी गिरोह से कोई संबंध फिलहाल दूर-दूर तक दिखाई नहीं देता? प्रशासन को 'ड्रोन लुटेरों' से फैली अफवाहों पर तुरंत अंकुश लगाना होगा, नहीं तो ग्रामीण ड्रोन गिरोह के सदस्यों के शक में बेकसूर लोगों को निशाना बनाते रहेंगे। बरेली में पिछले शनिवार को सबसे दर्दनाक घटना हुई, जहां मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति को 'ड्रोन गिरोह' का सदस्य समझकर लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला।

ब्लॉग

अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है विपक्ष

ललित गर्ग

भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल संख्याओं और मतों का खेल नहीं है, बल्कि एक ऐसी जीवंत प्रक्रिया है जिसमें सत्ता और विपक्ष दोनों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सत्ता पक्ष जहां शासन संचालन और नीतियों को लागू करने के लिए जिम्मेदार होता है, वहीं विपक्ष लोकतंत्र का प्रहरी बनकर उसके हर कदम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, असंतोष को स्वर देता है और जनभावनाओं को दिशा देता है। लेकिन वर्तमान विपक्ष इन भूमिकाओं में नकारा साबित हो रहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है, जिस तरह से विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी, ईवीएम में गड़बड़ी एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण पर बेतूके एवं आधारहीन आरोप लगाये हैं, उससे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा तो आहत हुई ही है, लेकिन विपक्ष की भूमिका भी कठघरे में दिख रही है। यह अच्छा हुआ कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर वोट चोरी सहित ऐसे ही बेहूदा, आधारहीन एवं गुमराह करने वाले राहुल गांधी के आरोपों का न केवल बिन्दुबार जबाव दिया, बल्कि उन्हें बेनकाब करते हुए यह भी कहा कि वे या तो अपने निराधार आरोपों के सन्दर्भ में शपथ पत्र दें या सात दिनों के भीतर देश से माफी मांगें। निश्चित ही राहुल गांधी को ऐसी चेतावनी देना आवश्यक हो गया था, क्योंकि वे अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिये लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को धुंधलाने की सारी हदें पार चुके हैं।

हाल के दिनों में जिस तरह चुनाव आयोग, मतदाता सूची और वोट चोरी के आरोपों को लेकर बहस छिड़ी है, उसने इस प्रश्न को फिर से गहराई से सोचने को बाध्य किया है कि क्या लोकतंत्र में विपक्ष बेबुनियाद आरोप लगाते हुए अपनी भूमिका को प्रश्नों के घेरे में कब तक डालता रहेगा? विपक्ष बिना ठोस प्रमाण के बड़े आरोप लगाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े कर देता है। क्या जनहित के नाम पर जनता के व्यापक हित से जुड़े सुधारों का विरोध करना विपक्ष का शगल बन गया है? पिछले एक दशक से विपक्ष लोकतंत्र को सशक्त बनाने की अपनी भूमिका की बजाय उसे कमजोर एवं जर्जर करने में जुटा है। उसने सत्ता-पक्ष को घेरने के लिये जरूरी मुद्दों को सकारात्मक तरीकों से उठाने की बजाय विध्वंसात्मक तरीकों से विकास के जनहितकारी मुद्दों को भी विवाद का मुद्दा बनाते हुए सारी हदें पार कर पार दी है। आधार को बैंक अकाउंट से जोड़ने का मामला हो या अनुच्छेद 370 को खत्म करना हो। सीएए-एनआरसी का मामला हो या हाल में चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन परीक्षण अभियान हो। विपक्ष मोदी सरकार के इन विकासमूलक सुधारों को जनहित के खिलाफ बताते हुए मुखर विरोध कर रहा हैं, जो लोकतंत्र को धुंधलाने की एक बड़ी साजिश प्रतीत होती है। निश्चित ही विपक्ष की इस खींचतान में सबसे बड़ी क्षति जनता की आस्था की होती है। जब चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता संदिग्ध बनाई जाती है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। लोकतंत्र में हार-जीत से भी बड़ा मुद्दा चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता होता है।

विपक्ष केवल सत्ता की आलोचना करने के लिए नहीं है। उसका दायित्व है कि वह जनता की समस्याओं जैसे बेरोजगारी, महंगाई, जीएसटी की अतिश्योक्तिपूर्ण वसूली, पर्यावरण, सफाई, नारी की असुरक्षा जैसे ज्वलंत मुद्दों को उजागर करे, ठोस विकल्प प्रस्तुत करे और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती में योगदान दे। केवल आरोप-प्रत्यारोप में उलझकर यदि विपक्ष अपनी ऊर्जा खर्च कर देता है तो वह जनता का विश्वास खो देता है। यही कारण है कि आज विपक्ष की स्थिति कमजोर मानी जा रही है, क्योंकि वह केवल आरोप लगाता हुआ दिखता है, समाधान प्रस्तुत करने में पिछड़ जाता है। सत्ता पक्ष को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं चलता, बल्कि सहमति और पारदर्शिता से भी चलता है। यदि विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है तो सत्ता पक्ष का कर्तव्य है कि वह धैर्यपूर्वक उत्तर दे, जाँच के रास्ते खोले और हर आरोप को तथ्यों से परखे। विपक्ष को नकार देना लोकतंत्र को कमजोर करना है। जब सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ता है, तब न्यायपालिका अंतिम सहारा बनती है। यही कारण है कि आज बार-बार सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की माँग उठती है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है, क्योंकि इसका अर्थ है कि जनता और राजनीतिक दल चुनाव आयोग व अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं कर पा रहे। इसलिए न्यायपालिका की भूमिका भी अब केवल विवाद सुलझाने की नहीं रह गई है, बल्कि लोकतंत्र के विश्वास को पुनः स्थापित करने की हो गई है, जबकि यह कार्य राजनीतिक दलों एवं चुनी हुई सरकारों का होता है।

लोकतंत्र का सार यही है कि सत्ता और विपक्ष दोनों एक-दूसरे के पूरक हों, शत्रु नहीं। विपक्ष को केवल विरोध की राजनीति से बाहर आकर वैकल्पिक दृष्टिकोण देना होगा, और सत्ता-पक्ष को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रारंभ से ही विपक्ष को महत्व दिया है, उन्होंने संवेदनशील सरकार के साथ सृजनात्मक नेतृत्व का परिचय दिया है लेकिन विपक्ष जब आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से घिरा हो तो सकारात्मक दिशाएं कैसे उद्घाटित हो सकती है? आज की राजनीति में लोकतंत्र और विपक्ष के बीच खींचतान तेज है। यह टकराव लोकतंत्र को कमजोर करने वाला नहीं बल्कि उसे और परिपक्व बनाने वाला होना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका निभाए और सत्ता पक्ष उसकी आलोचना को स्वीकार कर उत्तरदायित्वपूर्ण जवाब दे। तभी लोकतंत्र की असली शक्ति और जनता के विश्वास को बनाए रखा जा सकता है।

लोकतंत्र की शक्ति केवल सरकार में नहीं बल्कि एक सशक्त और रचनात्मक विपक्ष में भी निहित होती है। विपक्ष लोकतांत्रिक ढांचे का आवश्यक स्तंभ है, जो सत्ता पर निगरानी रखता है, नीतियों में कमियों को उजागर करता है और जनता की आवाज़ को सदन तक पहुँचाता है। लेकिन जब विपक्ष अपनी इस जिम्मेदारी को भूलकर केवल नकारात्मक राजनीति पर उतर आए, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है और देश की छवि तथा स्थिरता पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो जाता है। आज भारत का विपक्ष जिस तरह संसद को ठप करने, व्यक्तिगत हमलों, दुष्प्रचार और असंवेदनशील आचरण पर आमादा है, उसने लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुँचाई है। संसद सत्र, जहाँ जनता की समस्याओं का समाधान खोजा जाना चाहिए, वहाँ विपक्ष का रवैया अवरोध पैदा करने वाला अधिक दिखता है। महत्वपूर्ण विधेयकों पर सार्थक चर्चा के बजाय नारेबाज़ी और वॉकआउट आम बात हो गई है। यह स्थिति केवल सरकार ही नहीं, पूरे राष्ट्र के लिए घातक है। इतिहास गवाह है कि जब-जब विपक्ष ने रचनात्मक भूमिका निभाई है तो लोकतंत्र और मजबूत हुआ है। 1977 में आपातकाल के विरोध से लेकर 1989 तक विपक्ष ने लोकतंत्र को बचाने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया। लेकिन 2014 के बाद से जिस तरह विपक्ष अपरिपक्व, निरंतर बिखरा हुआ, नेतृत्वविहीन और नकारात्मक एजेंडे पर केंद्रित रहा है, उसने लोकतांत्रिक संस्कृति को आघात पहुँचाया है।

विदेशी ताकतें हमेशा से भारत की आंतरिक कमजोरी का फायदा उठाने की फिराक में रहती हैं। जब विपक्ष सरकार की नीतियों का विरोध करने के नाम पर राष्ट्र-विरोध, राष्ट्रीय सुरक्षा, सेना की कार्रवाई या विदेश नीति तक पर सवाल उठाने लगता है, तो इसका सीधा लाभ पाकिस्तान और चीन जैसे देशों को मिलता है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि को धूमिल करना विपक्ष का उद्देश्य नहीं होना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से हालात यही इशारा कर रहे हैं। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मतभेद को 'विघटन' में बदल देना खतरनाक है। विपक्ष को याद रखना होगा कि उसकी जिम्मेदारी केवल सत्ता पाने की नहीं, बल्कि देश की स्थिरता और विकास को सही दिशा देने की भी है। अगर विपक्ष अपने दायित्वों को नकारात्मक राजनीति में खोता रहा तो यह न केवल उसके लिए बल्कि पूरे लोकतंत्र के लिए आत्मघाती सिद्ध होगा। आज समय की मांग है कि विपक्ष आत्ममंथन करे, अपनी नीतियों और रणनीतियों को परखे तथा केवल विरोध के लिए विरोध करने की बजाय वैकल्पिक दृष्टि और ठोस समाधान प्रस्तुत करे। यही सच्चे लोकतंत्र का तकाज़ा है और यही राष्ट्रहित का मार्ग।

अजब-गजब

ये क्या नया बवाल है? Cambridge Dictionary में घुसे Gen Z वाले अजीब शब्द, सोशल मीडिया पर आने लगे ऐसे कमेंट

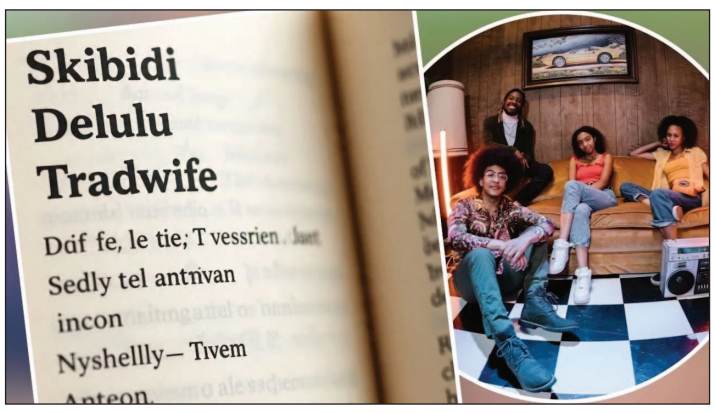

कैमब्रिज डिक्शनरी ने हाल ही में करीब 6,000 नए शब्दों और वाक्यांशों को जोड़कर सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है। दरअसल, डिक्शनरी में शामिल हुए ज्यादातर शब्द Gen Z और Gen Alpha की सोशल मीडिया कल्चर से निकले हैं, और इन अजीब शब्दों को देखकर तरह-तरह की बातें कर रहे हैं।

जब कैमब्रिज डिक्शनरी ने skibidi, delulu और tradwife जैसे शब्दों को शामिल करने का ऐलान किया, तो सोशल मीडिया पर मानो तूफान आ गया। एक्स (पहले ट्विटर) पर मजेदार मीम्स और चुटकुलों की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने तो यह तक कह दिया, अब इंग्लिश कोई लैंग्वेज नहीं रही, ये टिकटॉक का कमेंट सेक्शन बन गई है। वहीं, कुछ ने मजाकिया लहजे में कहा, इसी कारण ज्यादातर लोग delulu (यानी वास्तविकता से दूर) हो गए हैं।

सबसे मजे की बात तो यह है कि खुद डिक्शनरी टीम को skibidi का सटीक मतलब समझाने में कठिनाई हुई। लिखा है, वैसे तो इसका कोई खास मतलब नहीं है, पर इसके कई मायने हो सकते हैं। इस पर एक यूजर ने मौज लेते हुए लिखा, लो भाइया, कैमब्रिज वालों ने भी हार मान ली!

कैमब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस का कहना है कि हर नए शब्दों को डिक्शनरी में जोड़ने से पहले उसकी पूरी जांच की जाती है। उनके अनुसार, सोशल मीडिया कल्चर तेजी से इंग्लिश लैंग्वेज को बदल रहा है, और इस बदलाव को सहेजना जरूरी है। लेक्सिकल प्रोग्राम मैनेजर कॉलिन मैकिन्टॉश ने कहा, सिर्फ उन्हीं शब्दों को डिक्शनरी में जगह दी जाती है, जिनके लंबे समय तक बने रहने की संभावना होती है।

इसके अलावा inspo (inspiration का शॉर्ट फॉर्म), किसी खास फैशन स्टाइल के लिए lewk शब्द, और mouse jiggler यानी कंप्यूटर पर एक्टिव दिखने वाला टूल जैसे शब्दों को भी डिक्शनरी में जगह दी गई है। वहीं, forever chemical जैसे 'गंभीर शब्द' भी जोड़े गए हैं, जो उन खतरनाक केमिकल्स की व्याख्या करते हैं, जो सालों पर्यावरण में रहकर जलवायु परिवर्तन के खतरे को बढ़ाते हैं।

लोनिंग एप्स से ठगी, रकम को क्रिप्टो में बदलकर भेजते विदेश... 101 करोड़ उड़ाए, बलरामपुर से बाप-बेटे अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश की बलरामपुर पुलिस ने लोनिंग एप्लीकेशन और क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से धोखाधड़ी करने वाले दो शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी अंतरराज्यीय गिरोह के सदस्य थे और एक बड़े साइबर फ्रॉड रैकेट को चला रहे थे। पुलिस की जांच में सामने आया है कि इनके गिरोह ने अब तक 101 करोड़ रुपए से अधिक का ट्रांजैक्शन किया है।

पुलिस की गिरफ्त में आए दोनों आरोपी पिता-पुत्र हैं, जिनके नाम गोलू कुमार और भूषण कुमार चौधरी हैं। दोनों मूल रूप से बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के घोड़ासन, मोतिहारी के निवासी हैं। मामला बलरामपुर जिले के थाना ललिया से जुड़ा हुआ है। यहां पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग लोनिंग एप के जरिए आम लोगों को ठग रहे हैं। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और शुरुआती छापेमारी में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। हालांकि, उस समय दो आरोपी फरार चल रहे थे। इस दौरान लगातार तलाश जारी रही और अब पुलिस ने उन दोनों को भी दबोच लिया है।

अलग-अलग आईडी का इस्तेमाल करते

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि आरोपियों ने साइबर ठगी को अंजाम देने के लिए छह अलग-अलग आईडी का इस्तेमाल किया। इनमें से पांच आईडी भारत की हैं जबकि एक आईडी नेपाल की है। ये लोग क्रिप्टो करेंसी प्लेटफॉर्म बाइनेंस ऐप का इस्तेमाल कर ठगे गए पैसों को USDT (टेदर कॉइन या क्रिप्टो कॉइन) में बदलते थे और फिर उसे विदेशों में भेजते थे। पुलिस की जांच के अनुसार, सबसे अधिक लेन-देन गोलू कुमार की आईडी से हुआ है, जबकि दूसरी सबसे ज्यादा ट्रांजैक्शन भूषण कुमार की आईडी से दर्ज किए गए हैं। फिलहाल, बाकी तीन भारतीय आईडी और नेपाल की एक आईडी की जांच भी की जा रही है।

101 करोड़ 34 लाख रुपये की ठगी

पुलिस के अनुसार अब तक इस गिरोह का कुल ट्रांजैक्शन 101 करोड़ 34 लाख 31 हजार 411 रुपए सामने आया है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि आगे की पड़ताल में यह रकम और भी बढ़ सकती है। पुलिस ने यह भी बताया कि फिलहाल दोनों आरोपियों के पुराने आपराधिक इतिहास की जानकारी नहीं मिली है और इस संबंध में आगे की जांच की जा रही है।

एसपी विकास कुमार ने कहा कि यह साइबर गैंग तकनीक का इस्तेमाल कर बड़े पैमाने पर ठगी कर रहा था और लोगों को आसान लोन का झांसा देकर फंसाता था। ठगी के पैसे को वैध दिखाने के लिए इसे क्रिप्टो करेंसी में कन्वर्ट कर विदेशों में भेजा जाता था। पुलिस अब गिरोह से जुड़े बाकी नेटवर्क और वित्तीय लेन-देन की गहराई से जांच कर रही है। वहीं, पुलिस ने लोगों से अपील की है कि संदिग्ध लोनिंग ऐप और अनजान कॉल्स से सतर्क रहें और किसी भी धोखाधड़ी की आशंका पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन या नजदीकी थाने को सूचना दें।

सीएचसी पण्डरीकृपाल में कन्या जन्मोत्सव का हुआ आयोजन

गोण्डा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पण्डरीकृपाल में मंगलवार को कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिला कल्याण विभाग द्वारा 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया। बालिकाओं के जन्म को उत्सव के रूप में मनाकर समाज में सकारात्मक संदेश देने और लिंग समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत ब्लॉक कार्यक्रम प्रबन्धक शैलेन्द्र त्रिपाठी द्वारा बालिका से केक कटवाकर की गई।

इस अवसर पर सेंटर मैनेजर चेतना सिंह ने वन स्टॉप सेंटर पर महिलाओं को मिलने वाली सहायता और सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। जिला मिशन कोऑर्डिनेटर (एचईडब्लू) शिवेंद्र श्रीवास्तव ने महिलाओं के लिए उपलब्ध विभिन्न टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी।

संयुक्त निदेशक समग्र शिक्षा ने किया पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय का निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। संयुक्त निदेशक समग्र शिक्षा ने पीएम श्री कम्पोजिट विद्यालय रानी कर्णावती का निरीक्षण किया। और विद्यालय परिसर की साफ सफाई व पठन पाठन की गुणवत्ता देख विद्यालय एवं प्रधानाध्यापक मधुरिमा तिवारी की सराहना की।बेसिक शिक्षा विभाग के द्वारा संचालित पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय रानी कर्णावती नगर पालिका मिर्जापुर का निरीक्षण संयुक्त शिक्षा निदेशक समग्र शिक्षा माध्यमिक शिक्षा निदेशालय लखनऊ मनोज कुमार अहिरवार जी एवं प्रवक्ता कार्यालय महानिदेशक स्कूल शिक्षा लखनऊ गुलशन जी द्वारा किया गया। विद्यालय पहुंचने पर सर्वप्रथम विद्यालय का भौतिक अवलोकन किया कक्षाओं के पठन पाठन स्मार्ट क्लास मॉडर्न क्लास विद्यालय के सुंदर बागवानी एवं मार्ग वाटिका का अवलोकन करने के बाद विद्यालय में रजिस्टर के रखरखाव एवं विद्यालय की व्यवस्था को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय की प्रधानाध्यापक श्रीमती माधुरिमा तिवारी एवं मार्ग शिक्षकों की प्रशंसा की। विद्यालय की भौतिक परिवेश पठन पाठन बच्चों से उनके पठन-पाठन पर चर्चा किया। निरीक्षण के दौरान खंड शिक्षाधिकारी जय कुमार यादव डीसी निर्माण अजय श्रीवास्तव डीसी एमडीएम रविंद्र मिश्रा डीसी ट्रेनिंग की बाजपेई उपस्थित रहे।

पीसीएफ खाद गोदाम मुण्डेरवा माफी में लापरवाही मिलने पर शासन ने लेखाकार/जिला प्रबंधक पीसीएफ को किया निलंबित

गोण्डा। उर्वरक आवंटन के सापेक्ष समयबद्ध प्रेषण में लापरवाही/शिथिलता की शिकायतें प्राप्त होने के फलस्वरूप, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा 14 अगस्त 2025 को (प्रादेशिक कोऑपरेटिव फेडरेशन) पी.सी.एफ बफर गोदाम मुण्डेरवा माफी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उर्वरक के वितरण व भंडारण में गंभीर अनियमितताएँ तथा प्रबंधन स्तर पर घोर लापरवाही पाई गई। निरीक्षण में लेखाकार/जिला प्रबंधक पी.सी.एफ गोण्डा नृपेन्द कुमार की कार्यप्रणाली में स्पष्ट रूप से उदासीनता व शिथिलता देखी गई, जिसके कारण किसानों को समय पर खाद उपलब्ध नहीं हो सका। यह स्थिति न केवल शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधक है, बल्कि कृषक हितों के प्रतिकूल भी है। निलंबन अवधि में उन्हें पी.सी.एफ मुख्यालय से सम्बद्ध किया गया है।

हर महीने 2 लाख ली रंगदारी, बदनाम करने के लिए अश्लील किताबें छापीं...माफिया वकील अखिलेश की एक और जुल्म की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कानपुर के माफिया वकील अखिलेश दुबे के गुनाहों की लंबी लिस्ट है, जिसके पीड़ित अब सामने आने लगे हैं। अखिलेश दुबे पर एक और महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं। ताजा मामले में साकेत नगर निवासी एक महिला कारोबारी ने पुलिस आयुक्त अखिल कुमार को तहरीर देकर दुबे और उसके गैंग के खिलाफ रंगदारी, मारपीट, लूटपाट, होटल कब्जाने और यहां तक कि बदनाम करने के लिए अश्लील किताबें छपवाने तक के आरोप लगाए हैं। शिकायत पर मामला एसआईटी को सौंपा गया है।

पीड़िता ने बताया कि वर्ष 2009 में उन्होंने अपने दो साथियों के साथ मिलकर बारादेवी क्षेत्र में एक होटल लोन पर लिया था। इसकी भनक लगते ही अखिलेश दुबे ने उनसे संपर्क किया और होटल चलाने के एवज में दो लाख रुपये मासिक रंगदारी मांगी। भय और दबाव के चलते शुरुआती कुछ महीनों तक रकम दी गई, लेकिन आर्थिक स्थिति खराब होने पर भुगतान बंद करना पड़ा। जनवरी 2010 में दुबे अपने टाइपिस्ट अजय निगम और अन्य असलहाधारियों के साथ होटल पहुंचा। आरोप है कि उसने कर्मचारियों को धमकाकर भगा दिया और विरोध करने पर महिला कारोबारी से मारपीट कर उनके गहने तक छीन लिए। इस घटना से घबराकर उनके दोनों कारोबारी साझेदार पीछे हट गए।

अश्लील किताबें छपवाकर की बदनामी

पीड़िता का कहना है कि होटल कब्जाने और रंगदारी वसूली के अलावा गैंग ने उन्हें मानसिक और सामाजिक रूप से तोड़ने की भी कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश दुबे ने उसके खिलाफ आपत्तिजनक और अश्लील बातें लिखी किताबें तक छपवाकर बांटीं। एक बार बैंक मैनेजर ने ऐसी किताब उन्हें थमाई, जिसे पढ़कर वे सन्न रह गईं। इस किताब के जरिए उसकी छवि खराब करने की पूरी साजिश रची गई। परिवार ने जब इस हरकत का विरोध करने की कोशिश की तो गैंग के लोगों ने बंदूक तानकर उन्हें धमकाया। महिला का आरोप है कि दुबे ने मुकदमों के जरिए भी उन्हें फंसाने की कोशिश की। 31 मई 2010 को किदवई नगर थाने से पेशी का नोटिस भिजवाया गया, जबकि उसी दिन उसकी शादी थी। मजबूर होकर उसे डीजीपी तक गुहार लगानी पड़ी, तब जाकर शादी संपन्न हो सकी।

पुलिस कार्रवाई से बचता रहा दुबे

पीड़िता ने बताया कि कई बार उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अखिलेश दुबे के प्रभावशाली होने की वजह से कार्रवाई नहीं हो सकी। हालांकि उसके सहयोगी अजय निगम पर मुकदमा दर्ज हुआ, लेकिन विवेचना में अखिलेश का नाम हटा दिया गया और अंतिम रिपोर्ट लगा दी गई। महिला का कहना है कि 2009 से 2011 के बीच गैंग ने उससे करीब 50 लाख रुपये वसूले। लगातार दबंगई और धमकियों से परेशान होकर आखिरकार उन्हें होटल बेचना पड़ा। वर्ष 2013 तक उसका परिवार इस गैंग की दबंगई और प्रताड़ना से जूझता रहा।

ऑपरेशन महाकाल से मिली हिम्मत

पीड़िता ने बताया कि लंबे समय तक चुप रहने के पीछे डर और प्रभावशाली नेटवर्क का हाथ था। लेकिन हाल ही में जब उसने "ऑपरेशन महाकाल" के बारे में सुना, तो उसे लगा कि अब सच्चाई सामने लाने का सही समय है। इसी साहस के चलते उन्होंने पुलिस आयुक्त को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है।

एसआईटी को मामला सौंपे जाने के बाद अब इस पूरे प्रकरण की गहन जांच होगी। महिला का कहना है कि उसे उम्मीद है कि इस बार दबंग अधिवक्ता और उसके गैंग के खिलाफ ठोस कार्रवाई होगी और वर्षों से झेली जा रही पीड़ा का अंत होगा।

ज्यादा सामान पर अब प्लेन की तरह ट्रेन में भी लगेगा जुर्माना

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब विमानों की तरह ट्रेन में भी तय मानक से ज्यादा समान ले जाने पर अतिरिक्त किराया देना होगा। इसके लिए उत्तर मध्य रेलवे का प्रयागराज मंडल जंक्शन समेत प्रमुख स्टेशनों पर वजन तौलने वाली इलेक्ट्रॉनिक मशीनें लगाने जा रहा है। इन मशीनों के जरिए यात्रियों को सामान का वजन होगा।

वजन के दौरान अगर सामान तय मानक से ज्यादा हुआ तो इसके लिए यात्री को एक्स्ट्रा चार्ज देना होगा। जानकारी के मुताबिक, अगर कोई यात्री तय सीमा से अधिक सामान लेकर यात्रा करना चाहता है तो एडवांस बुकिंग में चार्ज दे सकता है। अगर उसने तय सीमा से ज्यादा सामान के लिए चार्ज नहीं दिया है तो, उसे जुर्माना देना होगा।

शुरुआत में यह व्यवस्था प्रयागराज मंडल के प्रमुख स्टेशनों से करने का फैसला किया है। इनमें प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, सूबेदारगंज, कानपुर सेंट्रल, मिर्जापुर, टूंडला, अलीगढ़ जंक्शन, गोविंदपुरी और इटावा स्टेशन पर लागू की जाएगी। इन स्टेशनों पर जल्द ही इलेक्ट्रॉनिक लगेज मशीनें लगाई जाएंगी। जहां यात्रियों के सामान की जांच की जाएगी। प्रयागराज मंडल के सीनियर डीसीएम हिमांशु शुक्ला का कहना है कि इस पर मंथन चल रहा है। अगर किसी का लगेज साइज काफी बड़ा है, भले ही उसका वजन निर्धारित सीमा से कम हो, तो भी अधिक जगह घेरने के कारण उस जुर्माना लगाया जाएगा। लगाया गया जुर्माना सामान्य दर से ज्यादा होगा।

किस कोच में कितना सामान की अनुमती?

इसमें यात्रियों के क्लास के हिसाब से लगेज सीमा तय की गई है। तय सीमा के मुताबिक फर्स्ट एसी वाले यात्री 70 किलो तक लगेज ले जा सकते हैं। वहीं सेकंड एसी वाले यात्री 50 किलो तक तो थर्ड एसी वाले 40 किलो तक सामान ले जा सकते हैं। जबकि स्लीपर क्लास वाले भी 40 किलो तक तो जनरल और सेकंड सिटिंग वाले लोग 35 किलो तक सामान ले जा सकेंगे।

रेलवे ने क्या कहा?

रेलवे का कहना है कि यह नियम सभी यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। नियम सभी यात्रियों पर समान रूप से लागू होगा और किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी। रेलवे का कहना है कि यदि किसी यात्री को अपने साथ अधिक सामान ले जाने की आवश्यकता है, तो वह पहले से बुकिंग कर सकता है। इससे उन्हें यात्रा के दौरान परेशानी नहीं होगी।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। जमालपुर विकास खण्ड के बहुआर गांव में लीलाधर श्री कृष्ण का जन्मोत्सव शनिवार मध्य रात्रि से बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। रविवार को दधिकाधव महोत्सव जिसमें भगवान हर घर में जाकर भक्तो को आशीर्वाद दिया और रात्रि में रामयण गान, मंगलवार को ठाकुर जी डोल में सवार होकर कर वन विहार कर सभी भक्तों को आनंदित किया रात्रि में रामायण गान भक्तो में प्रपन्ना दास, राधेश्याम तिवारी, विजेन्द्र तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी, जंग बहादुर सिंह,विवेक तिवारी,सुरेश तिवारी, मुरारी सिंह,हरिहर सिंह, रामचेला बियार,धिरेन्द्र शर्मा, डा० पुर्णेन्दु मिश्रा, प्रमोद विश्वकर्मा, पंजाबी पासवान, शिवानंद मिश्रा, कन्हैया मिश्रा, सान्तनू मिश्रा, विजेन्द्र सिंह, जितेन्द्र पासवान , गरीब दास आदि भक्त ठाकुर जी के दरबार में उपस्थित रहे। कार्यक्रम छठी महोत्सव तक अनवरत चलता रहेगा।

गोविन्द जय जय गोपाल जय जय राधारमण हरि गोविन्द जय जय के उद्घोष से सम्पूर्ण क्षेत्र राधारमण मय हों गया।

सिर्फ कुत्ते के चाटने भर से हो गई मासूम की मौत, दहशत में इंजेक्शन लगवाने अस्पताल पहुंचे पड़ोसी

आर्यावर्त संवाददाता

बंदायू। उत्तर प्रदेश के बंदायू में कुत्ते द्वारा चाटने से एक मासूम बच्चे की रेबीज से मौत हो गई। इसके बाद से मृतक बच्चे का परिवार और आसपास के लोग दहशत में हैं। बच्चे की मौत की जानकारी मिलते ही मृतक बच्चे के दो दर्जन से अधिक परिजन और पड़ोसी रेबीज का इंजेक्शन लगवाने के लिए अस्पताल पहुंचे। कुत्ते ने करीब दो महीने पहले मृत बच्चे को चाटा था।

दो माह पहले बंदायू जिले के सुजातगंज बेला गांव के अदनान पुत्र अनीस को खेलते समय चोट लग गई थी। इसके बाद अदनान का खून बहने लगा था। उसी दौरान पास के एक कुत्ते ने अदनान के घाव को चाट लिया था। परिजनों ने इसे सामान्य घटना मानकर अनदेखा कर दिया था, लेकिन कुछ दिन पहले बच्चे में रेबीज के लक्षण दिखने लगे। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे झाड़फूंक वाले के पास ले गए।

पूरे इलाके में भय का माहौल

रविवार को उसकी दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में भय का माहौल है। परिजनों ने बताया कि अगर समय रहते उन्हें रेबीज के खतरे की जानकारी होती, तो शायद बच्चे की जान बच सकती थी। अब इस घटना के बाद, परिवार और पड़ोस के लोग सतर्क हो गए हैं और एहतियात के तौर पर अस्पताल पहुंचकर रेबीज का टीका लगवा रहे हैं।

मेडिकल सुपरिटेंडेंट ने क्या बताया?

मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉक्टर प्रशांत त्यागी ने बताया कि यह घटना इस बात का दुखद उदाहरण है कि कुत्ते के काटने या चाटने से होने वाले रेबीज को हल्के में नहीं लेना चाहिए। अगर किसी को भी जानवर (कुत्ते, बिल्ली, बंदर आदि) काट लें या घाव को चाट लें, तो तुरंत बिना देर किए रेबीज का टीका लगवाना चाहिए। वहीं आज स्वास्थ विभाग की टीम गांव भी पहुंचेगी और लोगों को जागरुकता के साथ-साथ कैंप लगाकर दवाई या वैक्सीन भी जरूरत के हिसाब से दी जाएगी।

अयोध्या में कैसे तैयार हुआ राम मंदिर? IIT रुड़की में होगी पढ़ाई! इंजीनियरिंग छात्र करेंगे रिसर्च

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के राम मंदिर के निर्माण के इतिहास को एजुकेशन सिस्टम बनाने की तैयारी की जा रही है। इसमें IIT रुड़की को शामिल किए जाने को लेकर फैसला किया गया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टों की ओर से ट्रस्ट की होने वाली निर्माण समिति की बैठक में यह फैसला लिया गया है। यही नहीं राम जन्मभूमि के भूमि पूजन से लेकर पूरे राम मंदिर के निर्माण, राम मंदिर परिसर के निर्माण और राम मंदिर के हर एक निर्माण स्थल में तकनीकी और कारीगरी की बारीकी से स्टडी की जा सकेगी।

भारत के इंजीनियर, जिसको लेकर सेंट्रल बिल्डिंग इंस्टीट्यूट के साथ एक एग्रीमेंट किया जाएगा और इस एग्रीमेंट के चलते राम मंदिर के निर्माण के इतिहास की और भौगोलिक स्थितियों की जानकारी देश के इंजीनियरों को मिल सकेगी। राम मंदिर का निर्माण कार्य आखिरी दौर में है। दिसंबर 2025 तक राम मंदिर और राम जन्मभूमि परिसर में कई निर्माण कार्य पूरे हो जाएंगे। श्री राम जन्मभूमि निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने TV9 भारतवर्ष से बात करते हुए बताया कि हम अपने लक्ष्य के करीब हैं और हमें उम्मीद है कि हम दिसंबर 2025 तक राम जन्मभूमि मंदिर में चल रहे राम मंदिर निर्माण के साथ-साथ अन्य निर्माण कार्यों को तय समय में पूरा कर लेंगे।

मंदिर में 5 टाइम लेप्स कैमरे

श्री राम जन्मभूमि निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र कहा कि कल हम लोगों ने राम मंदिर के निर्माण की प्रगति की समीक्षा थी। कल मुख्य रूप से जिस पर विचार किया गया। मंदिर के लोअर प्लिंथ पर म्यूरल (mural) बनाए जाएंगे। ये टोटल 90 हैं, जिनमें से 85 आ गए हैं। इसमें 3D मूर्तियां लगनी हैं। मंदिर में 5 टाइम लेप्स कैमरे लगाए गए हैं, जिनमें मंदिर में होने वाले निर्माण कार्य रिकॉर्ड होता है।

5 साल के निर्माण पर एक डॉक्यूमेंट्री

इन कैमरों में अब तक का पूरा निर्माण कार्य रिकॉर्ड हो रहा है। यह रिकॉर्डिंग मंदिर ट्रस्ट की इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी मानी जाएगी। तय हुआ है कि आगे चलकर यह रिकॉर्डिंग IIT रुड़की को दी जाएगी। वहां इसका इस्तेमाल एजुकेशन और ट्रेनिंग में किया जा सकेंगे। इसके साथ ही पांच साल की पूरी निर्माण यात्रा पर एक डॉक्यूमेंट्री बनाने की कोशिश भी कर सकते हैं, जिसमें 5 सालों में कैसे निर्माण की शुरुआत हुई। खुदाई और सॉइल टेस्ट से लेकर के आज तक क्या-क्या हुआ और किस प्रकार नए-नए प्रस्ताव जुड़े और फिर निर्माण कार्य बढ़ता गया। सब दिखाया जा सकेगा।

दिसंबर 2025 तक मंदिर तैयार

इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि अस्थायी मंदिर में बने स्मारक और शहीदों की याद में लगाए गए ग्रेनाइट पिलर का भी निरीक्षण किया गया, जिसकी चर्चा मैंने अपनी पिछली यात्रा में की थी। उसे हर नजरिए से देखा गया कि किस तरह से ऐसा किया जाए जो अस्थाई मंदिर का स्मारक है और यह थोड़ा दूर रहे, जिससे मंदिर की पवित्रता बनी रहे। निर्माण की प्रगति को देखते हुए अनुमान है कि अक्टूबर 2025 तक ज़्यादातर काम पूरा हो जाएगा और दिसंबर 2025 तक मंदिर पूरी तरह तैयार हो जाएगा। इसके अलावा मंदिर की फसाड लाइटिंग पर भी उन्होंने बात की। उन्होंने कहा कि तीन कंपनियों का डेमोंस्ट्रेशन होगा, जिसके टेंडर भी आ गए हैं। इसके बाद तय होगा कि हाइब्रिड मॉडल प्रोजेक्टर होगा या फिर सिर्फ लीनियर लाइटिंग को अपनाया जाएगा। इस लाइटिंग प्रोजेक्ट पर लगभग 8 से 10 करोड़ रुपये का खर्च आने की संभावना है।

गीता गोष्ठी के रजत जयंती महोत्सव में शामिल होंगे अन्तरराष्ट्रीय विद्वान व संत मनीषी

गोण्डा। गीता गोष्ठी के नियमित आयोजन का वर्ष 2025 में 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित गीता महोत्सव के रजत जयंती समारोह को स्मरणीय बनाया जाएगा। समारोह में राष्ट्रीय अन्तरराष्ट्रीय स्तर के संत मनीषियों एवं आध्यात्मिक विचारक शामिल हो रहे हैं। महोत्सव में सांस्कृतिक आध्यात्मिक समृद्धि की झांकी व जनपद के लब्धप्रतिष्ठ रंगकर्मियों व संगीतकारों की प्रस्तुति सनातन प्रेमियों के प्रमुख आकर्षण होंगे। मालवीय नगर के रामलीला मैदान स्थित रामेश्वरम शिव मंदिर में गीता महोत्सव के रजत जयंती महोत्सव आयोजन समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुए गीता गोष्ठी के संयोजक इंजी. सुरेश दूबे ने यह विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि रजत जयंती महोत्सव में विख्यात विचारक पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ भी शामिल हो रहे है। जो वर्तमान परिस्थितियों में सनातन धर्म की प्रसागकिता व गीता के वैश्विक दर्शन पर विचार देंगे।

डिजिटल क्राप सर्वे अभियान की जिलाधिकारी ने की ब्लाकवार प्रगति समीक्षा

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार सभी में सभी उपजिलाधिकारियों व खण्ड विकास अधिकारियों के साथ बैठक कर डिजिटल क्राप सर्वे अभियान की ब्लाकवार प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों के द्वारा तैनात राजस्व ग्राम के सापेक्ष नियुक्त सर्वेयर के द्वारा किए गए कार्यों में प्रगति न आने से नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि 19 अगस्त 2025 से ही सर्वे कार्य में लगाए गए।और शत प्रतिशत सर्वेयर को क्रियाशील करते हुए प्रगति लाई जाए तथा प्रतिदिन की रिपोर्ट खण्ड विकास अधिकारी द्वारा उप निदेशक कृषि को सांय तक उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि जो सर्वेयर में हिलाहवाली कर रहा हो या प्रगति कम हो तो उसके विरूद्ध कार्यवाही की जाए। विकास खण्ड कोन, राजगढ़, सीखड़, पटेहरा में सबसे कम गाटा डाउनलोड के सापेक्ष सर्वेयरों का कार्य प्रारम्भ करने नाराजगी जताते हुए कहा कि कल से ही शत प्रतिशत सर्वेयर कार्य प्रारम्भ कर दे अन्यथा उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उप निदेशक कृषि ने जानकारी देते हुए बताया कि विकास खण्ड लालगंज में 193 राजस्व ग्रामों के सापेक्ष सर्वेयरों की संख्या-77 में से 45 ने कार्य प्रारम्भ किया है इसी प्रकार हलिया में 167 राजस्व ग्राम के सापेक्ष 135 सर्वेयर में 86, विकास खण्ड कोन में 79 राजस्व ग्राम में 23 सर्वेयर में से मात्र 09 सर्वेयर, विकास सिटी में 185 राजस्व ग्राम के सापेक्ष नियुक्त 95 सर्वेयर के सापेक्ष 95 ने कार्य प्रारम्भ कर दिया हैं।

चेहरे पर नियासिनमाइड लगाने से पहले जान लें ये 5 बातें

चेहरे के लिए नियासिनमाइड एक पॉपुलर इंग्रिटिडंट है, जो इस वक्त खूब वायरल भी है। कई प्रोडक्ट्स में इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि ये स्किन को पूरी तरह से बदल सकता है। अगर आप भी इसे अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करने का सोच रही हैं तो पहले इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें जान लें।

स्किन के हेल्दी और ग्लोइंग बनाने के लिए आज कल मार्केट में कई तरह के प्रोडक्ट्स आ रहे हैं। वहीं, कुछ इंग्रिडियंट्स तो ऐसे हैं जिनकी लोकप्रियता बढ़ती ही जा रही है, जिसमें से एक नाम है नियासिनमाइड।ये एक ऐसा इंग्रिडियंट्स है, जिसको लेकर सोशल मीडिया पर ब्यूटी इन्फ्लुएंसर्स से लेकर डर्मेटोलॉजिस्ट भी स्किनकेयर में शामिल करने के सलाह देते हैं। ये स्किन को ग्लोइंग और क्लीयर बनाने में बेहद फायदेमंद है। जिन लोगों की स्किन ऑयली है, पिंगमेंटिड है या फिर एक्ने और एजिंग हैं उनके लिए तो किसी वरदान से कम नहीं है।

नियासिनमाइड एक तरह विटामिन 3 का फॉर्म होता है, जो स्किन की कई समस्याओं को दूर करने का काम करता है। ये पोर्स को टाइट करने से लेकर स्किन को हाइड्रेट रखने में भी मदद करता है। हालांकि, इसका अगर सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया जाए तो ये फायदे के बजाय नुकसान पहुंचा सकता है। अगर आप भी अपने स्किनकेयर रूटीन में इसे शामिल करने की सोच रही हैं तो पहले इससे जुड़ी 5 जरूरी बातें जान लें।

चेहरे पर नियासिनमाइड लगाने के फायदे

हेल्थलाइन के मुताबिक, नियासिनमाइड को चेहरे पर लगाने के कई फायदे हैं। जैसे इसे लगाने से स्किन की इलास्टिसिटी बढ़ती है। इसके अलावा कई रिसर्च में दावा किया गया है कि, ये स्किन बैरियर में मदद करता है। ये इंफ्लामेशन को कम करने में हेल्पफुल है और स्किन को एक समान बनाता है। वहीं, ये ऑयल को कम करता है, जिससे ऑयली स्किन वालों के लिए ये वरदान से कम नहीं है। वहीं, हाईपरपिंगमेंटेशन और एक्ने जैसी समस्याओं को दूर करने में भी नियासिनमाइड बेहतरीन है।

क्या नियासिनमाइड सेफ है ?

वैसे तो नियासिनमाइड सेफ माना जाता है। लेकिन कुछ कंडीशन में इसका इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। जैसे जिन लोगों को पहले से कोई एलर्जी है। या एलर्जिक रिएक्शन होने का खतरा रहता है उन्हें इसका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। क्योंकि नायसिनामाइड शरीर में स्टामिन रिलीज कर सकता है, जो एलर्जी को और टिगर करता है। इसलिए जब भी इसका इस्तेमाल करें को पहले पेच टेस्ट जरूर कर लें। 48 से 96 घंटे तक इंतजार करें। अगर कुछ नहीं होता है तब आप इसे इस्तेमाल कर सकती हैं।

नियासिनमाइड यूज करने से पहले जान यें बातें

पैच टेस्ट जरूरी- वैसे तो नियासिनमाइडका यूज सेफ बताया गया है। लेकिन इसे इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूरी है। अगर ये स्किन पर रिएक्ट करता है तो इसका इस्तेमाल न करें।

सही कॉन्सन्ट्रेशन चुनें- नियासिनमाइड का इस्तेमाल करने से पहले जान लें कि आपकी स्किन के लिए कितनी प्रतिशत कॉन्सन्ट्रेशन होना जरूरी है। जैसे स्टार्टिंग में 25% कॉन्सन्ट्रेशन काफी है।

लगाने का सही तरीका- नियासिनमाइड आप नाइट और मॉर्निंग स्किनकेयर रूटीन में शामिल कर सकती हैं। अगर सुहब लगा रही हैं तो, फेस वॉश के बाद लगाएं और फिर मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें।

इन प्रोडक्ट्स के साथ न करें मिक्स- कुछ लोग स्किन पर लेयर बनाने के चक्कर में विटामिन सी और नियासिनमाइड को एक साथ यूज कर लेते हैं, जो की नहीं करना चाहिए। विटामिन सी और नियासिनमाइड दोनों ही केमिकल प्रॉपर्टीज हैं जो एक दूसरे का असर कम कर सकती हैं।

कितने समय तक करें यूज- भले ही नियासिनमाइड स्किन को क्लीयर और ग्लोइंग बनाने के लिए असरदार है। लेकिन इसका इस्तेमाल नियमित रूप से करना होगा। तभी इसका रिजल्ट मिलेगा। ये तुरंत रिजल्ट नहीं देता है। इसलिए धैर्य रखना जरूरी है।

ज्वार या रागी...वेट लॉस के लिए किस आटे की रोटी खाना है ज्यादा फायदेमंद ?

बढ़ता वजन आज कल एक आम समस्या बन गई है। वेट लॉस के लिए एक्सरसाइज के साथ ही डाइट का भी खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। ऐसे में लोग हेल्दी ऑप्शन की ओर बढ़ते हैं। वैसे तो भारतीय घरों में गेहूं की रोटी ही खाई जाती है। लेकिन हेल्थ कॉन्सियस लोग गेंहू की रोटी से पहरेज करते हैं, क्योंकि गेंहू की रोटी में कैलोरी भी ज्यादा होती है और कार्बोहाइड्रेट भी। वहीं, इसकी जगह ज्वार और रागी की रोटी वेट लॉस करने के लिए उपयोगी बताई जाती है।

ज्वार और रागी दो हेल्दी ऑप्शन है, जो वेट लॉस में मदद करते हैं। ये दोनों ही पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं। इसमें प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और फाइबर जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। ये वजन घटाने से लेकर ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। लेकिन अक्सर लोग कंफ्यूज हो जाते हैं कि रागी और ज्वार में से किस आटे की रोटी खाना ज्यादा फायदेमंद है? अगर आप भी इस दुविधा में है तो ये आर्टिकल आपके लिए ही है। यहां हम आपको बताएंगे कि वेट लॉस के लिए क्या है ज्यादा बेहतर।

ज्वार के पोषक तत्व और फायदे

ज्वार रोटी में प्रोटीन काफी ज्यादा पाया जाता है। इसके अलावा इसमें आयरन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट की भी अच्छी मात्रा होती है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी कम होता है, जो शुगर लेवल को कम करता है और भूख को कंट्रोल करने में मदद करता है। वहीं, प्रोटीन मसल्स गेन करने में मददगार है। इसके अलावा फाइबर डाइजेशन में हेल्पफुल है। ज्वार रोटी खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है, जिससे ज्यादा खाने से बचा जा सकता है।

रागी रोटी के न्यूट्रिशन और फायदे

रोगी रोटी में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। ये हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद है। इसके अलावा इसमें डायटरी फाइबर और अमीनो एसिड भी होता है, जो डाइजेशन को बेहतर बनाता है और बार बार खाने की क्रेविंग को कंट्रोल करता है। वहीं, इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्श भी कम होता है, जो बल्ड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मददगार है।

रागी या ज्वार, कौन है ज्यादा बेहतर?

वेट लॉस के लिए रागी और ज्वार दोनों ही रोटी फायदेमंद है। लेकिन ज्वार रोटी में कैलोरी की मात्रा कम होती है और ये पेट के लिए हल्की होती है। ऐसे में वेट लॉस के लिए ज्वार रोटी थोड़ी ज्यादा बेनिफेशियल है। वहीं। राटी रोगी में कैल्शियम काफी ज्यादा पाया जाता है और ये आरयन का अच्छा स्त्रोत है, जो लंबे समय तक हेल्थ को बेहतर बनाने में मददगार है। हालांकि, आप इन्हें अपनी जरूरत के हिसाब से डाइट में शामिल कर सकते हैं।

वजन घटाने में भी मदद कर सकता है आलू, जानें खाने का सही तरीका

19 अगस्त को हर साल नेशनल पोटौटो डे मनाया जाता है। ये दिन आलू के महत्व और उसके उपयोग के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए मनाया जाता है। वैसे तो आलू को वजन बढ़ाने के लिए फायदेमंद बताते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आलू वजन घटाने में भी मदद कर सकता है।

हर साल 19 अगस्त को नेशनल पोटैटो डे मनाया जाता है। ये दिन आलू के महत्व को पहचानने और इसके उपयोगों और लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। आलू भारत में खाई जाने वाली सबसे पॉपुलर सब्जी है। लेकिन अक्सर आपने सुना होगा कि आलू वजन को तेजी से बढ़ाता है, क्योंकि इसमें कैलोरी की मात्रा काफी ज्यादा होती है। जब भी कोई व्यक्ति डाइट पर होता है या वजन कम कर रहा होता है तो सबसे पहले आलू से ही परहेज करता है। वहीं, जिन्हें वजन बढ़ाने की जरूरत होती वो आलू का सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर आलू को सही तरीके से खाया जाए तो ये वजन को घटा भी सकता है।

जी हां, अगर आप आलू को सही तरीके से पकाकर और खाने की मात्रा का ध्यान रखते हुए इसका सेवन करेंगे तो ये आपके वजन को बढ़ने रोक भी सकता है। वहीं, कुछ समय पहले तो एक डाइट भी काफी पॉपुलर हुई थी, जिसमें दावा किया था कि सिर्फ आलू खाने से वजन कम हो सकता है। तो चलिए इस खास मौके पर आपको भी पोटैटो डाइट के बारे में सबकुछ ।

आलू के न्यूट्रिशन

आलू के पोषक तत्वों की बात करें तो, इसमें नेचुरल कार्बोहाइड्रेट होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन सी, पोटेशियम , फाइबर, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स और कुछ मात्रा में आयरन भी पाया जाता हैं। आलू में प्रोटीन और फाइबर ज्यादा होता है, जिसकी वजह से ये वजन बढ़ाने वालों के लिए तो फायदेमंद होता है। लेकिन अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो आलू को सही तरीके से पकाने का तरीका जानना बेहद जरूरी है।

क्या होती है Potato डाइट ?

हेल्थलाइन के मुताबिक, घटाने के लिए कुछ समय एक डाइट काफी पॉपुलर हुई थी, जिसे कहते हैं पोटैटो डाइट। इसे पोटैटो हैक नाम से भी जाना जाता है। ये एक तरह की शॉर्ट टर्म डाइट होती है, जिसमें दावा किया जाता है कि ये वजन घटाने में सहायक है। इस डाइट में आपको 3 से 5 दिन सिर्फ प्लेन आलू खाने की सलाह दी जाती है। हेल्थलाइन के मुताबिक, इस डाइट की शुरुआत साल 1849 में हुई थी। लेकिन इसे पॉपुलर करने वाले टिम स्टील हैं, जिन्होंने इसके ऊपर एक पूरी किताब लिख दी थी, जिसका नाम था Potato Hack: Weight Loss Simplified। टिम स्टील मानते हैं कि आलू इम्यून सिस्टम को मजबूत करने से लेकर गट हेल्थ को सुधारने में सहायक है। साथ ही ये वजन भी घटाता है।

क्या वाकई इससे कम होता है वजन ?

इस डाइट को कई लोगों ने फॉलो भी किया था। कहा जाता है कि, मशहूर मैजिशियन पेन जिलेट ने Presto! How I Made Over 100 Pounds Disappear नाम की किताब लिखी, जिसमें उन्होंने बताया कि शुरुआती 2 हफ्तों तक सिर्फ सादे आलू खाए और करीब 18 पाउंड (लगभग 8 किलो) वजन घटा लिया था। वैसे तो कई लोगों ने दावा कि इस डाइट से उनका वजन कम हुआ है, लेकिन वैज्ञानिक रिसर्च में इन दावों की पुष्टि नहीं की गई है।

क्या हैं पटैटो डाइट के रूल

इस डाइट को फॉलो करने के कुछ रूल हैं। आपको सिर्फ 3 से 5 दिन ही प्लेन आलू अपनी डाइट में शामिल करने हैं। पूरे दिन आपको 0।92।3 किलो आलू खाने हैं। इस डाइट को फॉलो करते दौरान किसी भी तरह का खाना नहीं खाना होता है। खासतौर पर कॉन्डिमेंट्स और टॉपिंग्स जैसे केचप, बटर, सॉर क्रीम और चीज़। इस डाइट में नमक का यूज कर सकते हैं, लेकिन कोशिश करें

छात्र यात्रा बीमा: विदेश में पढ़ाई के दौरान आपका साथी और सुरक्षा कवच, मेडिकल इमरजेंसी पर भी मिलता है कवर

विदेश में पढ़ाई रोमांचक अनुभव जरूर है, लेकिन अनचाही परेशानियों से बचाव के लिए छात्र यात्रा बीमा बेहद जरूरी हो गया है। कई विश्वविद्यालयों ने इसे अनिवार्य बनाया है। यह बीमा मेडिकल इमरजेंसी, सामान नुकसान और इवैक्यूएशन जैसे हालात में आर्थिक सुरक्षा देता है। आइए छात्र यात्रा बीमा के बारे में जानते हैं।

देश में पढ़ाई करना जीवन बदल देने वाला अनुभव होता है, जो शिक्षा, करियर ग्रोथ और व्यक्तिगत प्रगति में बड़े फायदे देता है। किसी नए देश में कदम रखना, वहां की अलग-अलग संस्कृतियों को जानना, विभिन्न तरह के खाने का स्वाद लेना और एक वैश्विक नेटवर्क बनाना बेहद रोमांचक होता है। लेकिन, इस पूरे सफर के बीच एक ऐसा सुरक्षा कवच होना जरूरी है, जो आपको अनचाही मुश्किलों से बचा सके। विदेश में पढ़ाई के दौरान छात्र यात्रा बीमा आपकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाता है।

यह मेडिकल इमरजेंसी, सामान खोने, यात्रा रद्द होने और अन्य अप्रत्याशित स्थितियों में आर्थिक सुरक्षा देता है। चाहे आप अकादमिक उद्देश्य से या घूमने के लिए यात्रा कर रहे हों, सही बीमा होने से आपका तनाव कम होता है और आप पढ़ाई एवं विदेश के अनुभवों पर ध्यान दे पाते हैं। भरोसेमंद छात्र यात्रा बीमा खरीदना समझदारी भरा कदम माना जाता है, जिससे आप अपने अंतरराष्ट्रीय सफर में निश्चिंत रहकर अपनी समग्र प्रगति पर ध्यान दे सकते हैं।

कई विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए छात्र बीमा अनिवार्य

आजकल कई विश्वविद्यालय छात्रों के लिए यात्रा और स्वास्थ्य बीमा को प्रवेश की अनिवार्य शर्त बना चुके हैं। छात्रा बीमा में आमतौर पर कवरेज की शुरुआत पर्सनल एक्सीडेंट प्रोटेक्शन से होती है, जिससे आप निकलने के वक्त से लेकर वापसी तक बीमित रहते हैं। इसमें विदेश में शारीरिक-मानसिक बीमारी के इलाज के साथ जरूरी डेंटल केयर भी शामिल है। तबीयत बिगड़ने पर आपको तुरंत घर वापस आना पड़े तो इमरजेंसी इवैक्यूएशन की सुविधा भी है। फैमिली विजिट का खर्च और अस्पताल में भर्ती रहने पर रोजाना भत्ता भी शामिल हो सकता है।

मिलते हैं ये जरूरी कवर

छात्र यात्रा बीमा पासपोर्ट-लैपटॉप चोरी, फ्लाइट डिले, चेक-इन बैगेज खोने और अनचाही घटनाओं के कारण यात्रा रद्द पर होने वाले नुकसान से भी बचाता है। छात्र की कनेक्टिंग फ्लाइट पहले से तय यात्रा में देरी से छूट जाए, तो पॉलिसी गंतव्य तक पहुंचने के लिए अगली उपलब्ध फ्लाइट का टिकट खर्च कवर करती है। फ्लाइट हाईजैक होने या छात्र को रोके जाने पर भी पॉलिसी एकमुश्त रकम देती है।

ट्यूशन फीस भी मिल सकती है वापस

पॉलिसी अवधि में गंभीर मेडिकल कंडीशन के कारण या माता-पिता की मृत्यु या गंभीर चोट के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़े, जिससे छात्र अपना सेमेस्टर पूरा न कर सके, तो बीमाकर्ता पहले से चुकाई गई ट्यूशन फीस को पॉलिसी में तय अधिकतम सीमा तक वापस करेगा।

पैसे या कार्ड चोरी होने पर तुरंत मदद

यह पॉलिसी नकद या डेबिट या क्रेडिट कार्ड चोरी होने की स्थिति में, तुरंत आर्थिक सहायता देती है, ताकि छात्र तब तक अपना खर्च चला सकें, जब तक चोरी हुए सामान वापस न मिल जाएं। इतनी व्यापक सुरक्षा के साथ विदेश में पढ़ने वाले छात्र बिना तनाव रह सकते हैं, क्योंकि मुश्किल वक्त में भरोसेमंद साथी मौजूद है। - आशीष सेठी हेड-एजेंसी, हेल्थ डिस्ट्रीब्यूशन एंड ट्रैवेल, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस

अब जड़ी-बूटी भी बेचेंगे मुकेश अंबानी, इस कंपनी के साथ की है बड़ी डील

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की FMCG यूनिट रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (RCPL) ने एक नई डील कर ली है। इस बार उन्होंने जड़ी-बूटी और आयुर्वेदिक बेस्ड ड्रिंक्स बनाने वाली कंपनी नेचरएज बेवरेजेज में बड़ी हिस्सेदारी खरीद ली है। इस डील के बाद अंबानी की कंपनी अब तेजी से बढ़ते हुए हेल्थ और वेलनेस ड्रिंक मार्केट में भी उतर गई है। मुकेश अंबानी अब जड़ी-बूटी से बनी हेल्थ ड्रिंक बेचेंगे।

RCPL ने बताया कि यह पार्टनरशिप उन्हें एक फुल-फ्लेज्ड बेवरेज कंपनी बनाने में मदद करेगी। दरअसल, नेचरएज बेवरेजेज ऐसी कंपनी है जो फंक्शनल ड्रिंक्स बनाती है। ये ड्रिंक्स खासतौर पर एनर्जी बढ़ाने, फोकस करने और डाइजेशन सुधारने में काम आते हैं। रिलायंस पहले से ही ड्रिंक सेगमेंट में कई बड़े ब्रांड्स लेकर आ चुकी है। इनमें कैंपा (कार्बोनेटेड ड्रिंक), सोसियो सॉफ्ट ड्रिंक्स, स्पोर्ट्स ड्रिंक स्पिनर और फ्रूट-बेस्ड ब्रांड रास्किक शामिल हैं। अब आयुर्वेदिक और जड़ी-बूटी वाले प्रोडक्ट्स जुड़ने से RCPL के पोर्टफोलियो को और मजबूती मिलेगी।

कब शुरू हुई कंपनी

नेचरएज बेवरेजेज की शुरुआत 2018 में हुई थी। इसे बैद्यनाथ ग्रुप के तीसरी पीढ़ी के उद्यमी सिद्धेश शर्मा ने लॉन्च किया था। इस कंपनी का मकसद भारतीय आयुर्वेद को मॉडर्न पेय विकल्पों के साथ जोड़ना है, ताकि युवा भी हेल्दी ड्रिंक्स की ओर आकर्षित हों। उनका मेन प्रोडक्ट शून्य है। यह एक हर्बल ड्रिंक है जिसमें न तो शुगर है और न ही कैलोरी। शून्य में अश्वगंधा, ब्राह्मी, खस, कोकम और ग्रीन टी जैसी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल किया गया है। यह ड्रिंक न सिर्फ बॉडी को एनर्जी देता है, बल्कि लोगों को हेल्दी और फिट रहने में भी मदद करता है। बाजार के एक्सपर्ट्स का कहना है कि हेल्थ और फंक्शनल बेवरेज सेक्टर आने वाले सालों में बहुत तेजी से ग्रो करेगा। ऐसे में अंबानी का यह कदम रिलायंस के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है।

नेचरएज बेवरेजेज के डायरेक्टर सिद्धेश शर्मा ने कहा कि RCPL के साथ हमारी यह पार्टनरशिप दिखाती है कि ग्राहकों के बीच Shunya की पॉपुलैरिटी लगातार बढ़ रही है। हमारा लक्ष्य है कि इसे एक पैन-इंडिया ब्रांड बनाया जाए और हर उस कस्टमर तक पहुंचाया जाए। RCPL के स्ट्रॉन्ग डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की मदद से अब Shunya पूरे भारत में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंच पाएगा।

टैरिफ नीतियों पर पीछे हट सकते हैं ट्रंप, भारतीय बाजार में बिकवाली की जगह खरीदारी करना सही फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी ब्रोकिंग फर्म जेफरीज ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ की नीतियों से कभी भी पीछे हट सकते हैं। ऐसे में भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली करने की जगह खरीदारी करना सही फैसला होगा। जेफरीज के प्रमुख विश्लेषक क्रिस्टोफर वुड ने कहा, उनके ग्राहक वर्तमान वैश्विक बाजार परिवेश और इस संभावना के कारण भारत में निवेश करने पर विचार कर रहे हैं। वुड ने कहा, यह केवल कुछ समय की बात है। ट्रंप अपने रुख से पीछे हट जाएंगे, जो कि अमेरिका के हित में नहीं है। इससे यह स्पष्ट होता है कि अगर कोई ट्रंप के सामने खड़ा होता है तो उसे लाभ होता है। ट्रंप की ओर से ब्रिक्स देशों के खिलाफ कोई भी प्रतिक्रिया उन्हें डी-डॉलराइजेशन की ओर ले जाएगा। ब्रिक्स देशों में ब्राजील, रूस, इंडिया, चीन और साउथ अफ्रीका का नाम शामिल है। डी-डॉलराइजेशन वह स्थिति है, जिसमें देश डॉलर की बजाय अन्य विदेशी या घरेलू मुद्राओं में विदेशी व्यापार करना शुरू कर देते हैं। वुड ने कहा, भारत पर खासकर अपने एशिया (जापान को हटाकर) पोर्टफोलियो में लगातार तेजी का रुख बनाए रखा है। पिछले 15 वर्षों में उभरते बाजारों की तुलना में भारत ने पिछले 12 महीनों में सबसे ज्यादा खराब प्रदर्शन किया है। भारत एशिया में सबसे अच्छी दीर्घकालिक संरचनात्मक स्थिति का प्रतिनिधित्व करता है।

गाजा में तेजी से क्यों फैल रही है ये खतरनाक बीमारी? डॉक्टर भी नहीं कर पा रहे इलाज

गाजा, एजेंसी। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू जब भी अंतरराष्ट्रीय दबाव में आते हैं कि गाजा में भूख से लोग मर रहे हैं, तो वह हमेशा इसे नकार देते हैं। मगर गाजा की असलियत कहीं ज्यादा भयावह है। यहां लोग कुपोषण के कारण गंभीर बीमारियों का भी शिकार हो रहे हैं। इस समय गाजा में एक खतरनाक वायरस फैल रहा है, जो लकवे जैसी बीमारियों का कारण बन रहा है। हालात सबसे ज़्यादा बच्चों के लिए डरावने हैं, क्योंकि वे लगातार भूखे हैं और शरीर को जरूरी विटामिन नहीं मिल पा रहे।

डॉक्टरों के अनुसार, गाजा में इन दिनों एक्यूट फ्लैसिड पैरालिसिस के मामले बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। ये एक दुर्लभ सिंड्रोम है जिसमें मांसपेशियां अचानक कमजोर हो जाती हैं और मरीज को सांस लेने व निगलने में मुश्किल होने लगती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की संक्रामक बीमारियों के फैलने की मुख्य वजह इजराइली बमबारी से गाजा की सीवेज और स्वच्छता व्यवस्था का पूरी तरह ध्वस्त हो जाना है।

2 साल में बढ़ गए हैं केस

Politico की एक खबर के मुताबिक अक्टूबर 2023 से पहले ये बीमारी बेहद दुर्लभ थी और हर साल सिर्फ 12 मामले सामने आते थे। लेकिन पिछले तीन महीनों में करीब 100 नए मामले दर्ज किए गए हैं। जॉर्डन और इजराइल भेजे गए लैब सैंपल्स में एंटरोवायरस की पुष्टि हुई है। यह वायरस संक्रमित पानी और गंदगी से फैलता है। खान यूनिस की गलियों में गंदा पानी और सीवेज का जमाव आम है। इसके साथ ही गुलियन बार सिंड्रोम भी तेजी से रिपोर्ट हो रहे हैं।

बच्चों पर सबसे बड़ा असर

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, 31 जुलाई तक 15 साल से कम उम्र के बच्चों में 32 मामले दर्ज किए गए हैं। संगठन ने माना कि इसका कारण एक तरफ़ निगरानी प्रणाली का मजबूत होना है, लेकिन साथ ही गाजा में स्वास्थ्य सेवाओं का ध्वस्त होना, कुपोषण और गंदगी भी है। WHO के अनुसार, इस साल जांच किए गए लगभग 70% मामलों में नॉन-पोलियो एंटरोवायरस मिला है, जबकि पहले यह आंकड़ा सिर्फ 26% था।

इलाज के साधन नहीं, दवाइयों की किल्लत

डॉक्टरों का कहना है कि इलाज के विकल्प लगभग न के बराबर हैं। गाजा के अल-शिफा अस्पताल, जिसे 2024 की शुरुआत में इजराइल ने भारी नुकसान पहुँचाया था, वहां अब तक गिलियन-बार सिंड्रोम के 22 मामले सामने आए हैं। इनमें से तीन बच्चों की मौत हो चुकी है और 12 बच्चे स्थायी लकवे का शिकार हो चुके हैं। इस बीमारी के लिए इंट्रावेनस इम्युनोग्लोब्युलिन (IVIG) और प्लाज़्मा एक्सचेंज जैसे आधुनिक इलाज की जरूरत होती है। लेकिन गाजा में न तो ये दवाइयाँ मिलती हैं और न ही इलाज की मशीनें, क्योंकि इजराइल की नाकाबंदी के चलते बुनियादी मेडिकल सप्लाई तक उपलब्ध नहीं हैं।

'डील करना चाहते हैं पुतिन', जेलेंस्की से बैठक के दौरान ट्रंप और मैंक्रो की बातचीत वायरल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बयान सोमवार को उस वक्त चर्चा में आ गया, जिसमें वे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बारे में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से कह रहे हैं, 'मुझे लगता है कि वह समझौता करना चाहते हैं...' यह टिप्पणी ऐसे समय में सामने आई है जब रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए शांति वार्ता की उम्मीदें अचानक बढ़ गई हैं। लेकिन क्या शांति वास्तव में कायम हो पाएगी या यह भी केवल शोर साबित होगा, यह आने वाले हफ्तों में साफ हो जाएगा।

बैठक के बाद बोले जेलेंस्की- मैं तैयार हूं

वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से कहा कि वे अपने सबसे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से आमने-सामने बातचीत के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि जंग को खत्म करने के लिए सीधा रास्ता खोजा जाए।

पुतिन भी सीधी बातचीत के लिए तैयार

इस बैठक के बाद मॉस्को से आई खबरों के मुताबिक, क्रेमलिन के एक शीर्ष सहयोगी ने कहा है कि राष्ट्रपति पुतिन सीधी बातचीत के विचार के लिए खुले हैं। इसका मतलब है कि दोनों देशों के बीच लंबे समय बाद सीधा संवाद संभव हो सकता है।

जंग रोकने के लिए ट्रंप की कूटनीतिक पहल

पिछले हफ्ते अलास्का में ट्रंप और पुतिन की मुलाकात हुई थी। उसके बाद ट्रंप ने यूरोप के सात बड़े नेताओं को वॉशिंगटन बुलाया। जिसमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और नाटो महासचिव मार्क रुटे शामिल थे। इस दौरान सभी नेताओं ने मिलकर कीव की सुरक्षा गारंटी पर चर्चा की। ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर लिखा- 'हर कोई रूस-यूक्रेन शांति की संभावना को लेकर खुश है।'

तीन साल से ज्यादा वक्त से रूस-यूक्रेन में जंग

करीब तीन साल से ज्यादा समय से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध अब एक तरह के ठहराव पर है। रूस ने कुछ हिस्सों में हाल ही में बढ़त बनाई है, लेकिन बड़े पैमाने पर स्थिति वैसी ही बनीं हुई है। अब तक लाखों लोग मारे जा चुके हैं और दोनों देशों की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ा है।

ट्रंप का दबाव और जेलेंस्की की रजामंदी

इस मामले में ट्रंप ने लगातार जेलेंस्की से कहा कि उन्हें रूस के साथ कुछ समझौता करना चाहिए। इसी दबाव के बीच जेलेंस्की ने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की। बाद में दोनों नेताओं ने कहा कि यह अब तक की उनकी सबसे अच्छी मुलाकात रही। इससे पहले ट्रंप और जेलेंस्की की मुलाकात के दौरान तीखी नोक-झोंक देखने के लिए मिली थी।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास से घबराए किम जोंग, परमाणु क्षमता के विस्तार की दी धमकी

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यासों की आलोचना की। किम ने कहा कि वह अपने परमाणु बलों का तेजी से विस्तार करेंगे, ताकि विरोधियों का मुकाबल कर सकें। यह बयान उन्होंने उस समय दिया, जब वह अपने सबसे आधुनिक युद्धपोत का निरीक्षण कर रहे थे, जिसे परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बनाया जा रहा है। सरकारी मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

किम जोंग ने सोमवार को पश्चिमी बंदरगाह नामपो का उस समय दौरा किया है, दक्षिण कोरिया और अमेरिका की सेनाओं से बढ़ते खतरों के मद्देनजर अपनी तैयारियों को मजबूत करने के लिए वार्षिक ग्रीष्मकालीन सैन्य अभ्यास 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' शुरू किया। 11 दिन के इस सैन्य अभ्यास में कुल 21 हजार सैनिक शामिल हैं, जिनमें से 18 हजार दक्षिण कोरिया के हैं। इसमें कंप्यूटर-आधारित कमान पोस्ट अभियान और मैदानी प्रशिक्षण शामिल हैं।

उत्तर कोरिया इन संयुक्त सैन्य अभ्यासों को लंबे समय से आक्रमण की तैयारी बताता आया है। किम इन अभ्यासों को अक्सर अपने सैन्य परीक्षणों और परमाणु कार्यक्रम के विस्तार को जायज ठहराने के लिए इस्तेमाल करते हैं। कोरियाई प्रायद्वीप अब भी तकनीकी रूप से युद्ध की स्थिति में है। यह असैन्यीकृत क्षेत्र दो हिस्सों उत्तर और दक्षिण कोरिया में बंटा है।

किम ने जिस युद्धपोत का निरीक्षण किया, उसका नाम चोए ह्योन है। यह 5000 टन वजन युद्धपोत अप्रैल में पहली बार सार्वजनिक किया गया था। किम ने कहा कि अमेरिका-दक्षिण कोरिया का सैन्य अभ्यास शत्रुता और युद्ध की इच्छा को दर्शाता है। अभ इन सैन्य अभ्यासों में परमाणु तत्व भी शामिल हैं, जिससे उत्तर कोरिया को निर्णायक प्रतिक्रिया देनी होगी।

उत्तर कोरिया की सरकारी एजेंसी केसीएनए के मुताबिक, किम ने कहा कि उत्तर कोरिया के चारों ओर की सुरक्षा स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है और मौजूदा सैन्य सिद्धांतों और अभ्यास में तेज बदलाव और परमाणु क्षमताओं का विस्तार जरूरी हो गया है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग की सरकार ने फिलहाल किम की टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उनकी सरकार उत्तर कोरिया के साथ संबंध सुधारने और बातचीत दोबार शुरू करने की इच्छुक रही है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने भी किम के युद्धपोत की क्षमता को लेकर कोई नई जानकारी साझा नहीं की है।

दक्षिण कोरिया और अमेरिका के सैन्य अधिकारियों का कहना है कि उल्ची फ्रीडम शील्ड अभ्यास का मुख्य उद्देश्य उत्तर कोरिया की बढ़ती परमाणु और मिसाइल हमले की धमकियों का मुकाबला करना है। इस अभ्यास में उत्तर कोरिया के परमाणु हमले की रोकथाम और जवाब देने के लिए प्रशिक्षण शामिल होगा। इसमें रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्राइल-ईरान जैसे हालिया युद्धों से भी सबक लिए जा रहे हैं। इसके साथ ही अभ्यास में ड्रोन हमलों, जीपीएस बाधाओं और साइबर हमलों से निपटने की रणनीतियां भी शामिल हैं।

अगली बार राहुल गांधी को बनाएंगे प्रधानमंत्री... बिहार के नवादा से तेजस्वी यादव ने खाई कसम

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में बिहार में वोटर अधिकार यात्रा जोर पकड़ रही है। मंगलवार को यात्रा आज तीसरे दिन नवादा पहुंची। इस दौरान राजद के नेता तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि आने वाले लोकसभा के चुनाव में हम महागठबंधन की मजबूत सरकार बनाएंगे और राहुल गांधी को देश का अगला प्रधानमंत्री बनाएंगे।

तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के लोग चुनाव आयोग के साथ मिलकर गरीबों का वोट छीनने की कोशिश कर रहे हैं। लोकसभा में जिन जीवित सदस्यों को अब मृत घोषित कर दिया गया है, यह सब एक साजिश का हिस्सा लगता है। उन्हें लगता है कि बिहार को आसानी से चुना लगा देंगे, लेकिन मोदी जी यह नहीं जानते कि हम बिहारी हैं। हमारा बिहार सब पर भारी है।

हम लोग चूना खैनी में मिलाकर रगड़ देते हैं- तेजस्वी यादव

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि हम लोग चूना में खैनी में मिलाकर रगड़ दिया करते हैं। चाहे कोई भी जाति, वर्ग या धर्म से हो, हम नया बिहार बनायेंगे। तेजस्वी सबको साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। मोदी जी ने बिहार के लोगों के साथ धोखा किया है।

राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने का काम करेंगे- तेजस्वी यादव

तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी को धन्यवाद देते हुए कहा कि हम राहुल गांधी जी का धन्यवाद करते हैं कि वो नवादा आए और यहां के लोगों को जागरूक किया। अब समय आ गया है कि हम बिहार से एनडीए को उखाड़ फेंके और बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाएं। इस बार हम सब मिलकर लोकसभा में राहुल गांधी जी को प्रधानमंत्री बनाने का काम करेंगे। ये लोग सिर्फ वोटर लिस्ट से आपका नाम हटाकर पेंशन और राशन जैसी जरूरी सुविधाओं से भी आपका नाम काट देंगे। राहुल गांधी ने कहा कि अगर समय मिला तो उनकी पार्टी वोट चोरी को लेकर पर्दाफाश करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने बढ़ाई हेमंत मालवीय की गिरफ्तारी पर रोक, आरएसएस-पीएम का बनाया था कार्टून, 10 दिन में माफी मांगने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस का एक अशोभनीय व्यंग्य चित्र बनाया था। इसको लेकर उन पर एफआईआर दर्ज की गई। इसी के बाद अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को कार्टूनिस्ट ने बताया कि वो आरएसएस और पीएम का अशोभनीय व्यंग्य चित्र बनाने के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम और बाकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर माफीनामा प्रकाशित करेंगे।

मध्य प्रदेश में उनके खिलाफ दर्ज मामले में अग्रिम जमानत की उनकी याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच के सामने मालवीय की ओर से एडवोकेट वृंदा ग्रोवर पेश हुईं और यह बयान दिया। उन्होंने मालवीय की ओर से कहा कि मैंने पहले के आदेश के अनुसार माफीनामा पहले ही पेश कर दिया है। मैं एक अतिरिक्त बयान देना चाहती हूं कि यह व्यंग्यचित्र सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा दिया जाएगा, भले ही मामला फेसबुक पोस्ट से संबंधित हो। मैं अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी माफीनामा प्रकाशित करूंगी।

मध्य प्रदेश राज्य की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) केएम नटराज पेश हुए और कहा कि पोस्ट को हटाया नहीं जाना चाहिए क्योंकि जांच जारी है। एएसजी नटराज ने कहा कि माफीनामा सोशल मीडिया पर इस बात के साथ प्रकाशित किया जाए कि वa दोबारा ऐसा नहीं करेंगे और जांच में सहयोग कर सकते हैं।

बेंच ने सहमति जताते हुए मालवीय को 10 दिनों के अंदर माफीनामा प्रकाशित करने का आदेश दिया। बेंच ने मालवीय को गिरफ्तारी से दी गई अंतरिम सुरक्षा अगली सुनवाई तक बढ़ा दी। इंदौर के कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय की अग्रिम जमानत का मामला। कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय ने सुप्रीम कोर्ट को बताया पीएम मोदी और RSS का कार्टून बनाने के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर माफ़ी मांगेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने सहमति जताते हुए कहा।

क्या है पूरा मामला?

मालवीय ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें उन्होंने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें अग्रिम जमानत देने से इंकार कर दिया गया था। यह मामला उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर से जुड़ा है, जो भारतीय न्याय संहिता और IT एक्ट की धारा 67A के तहत दर्ज की गई थीं।

अनीता हसनंदानी ने दोस्त ऐश्वर्या खरे का लिया पक्ष, कहा- मैं अपनी दोस्त के लिए लड़ूंगी

अभिनेत्री अनीता हसनंदानी इन दिनों रियलिटी शो छोरियां चाली गांव को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। शो में अभिनेत्री ने दोस्ती की मिसाल पेश की। हालिया एपिसोड में अनीता ने अपनी करीबी दोस्त ऐश्वर्या खरे की गैरमौजूदगी में उनका पक्ष लेते हुए कहा, मैं अपनी दोस्त के लिए लड़ूंगी।

शो के नए एपिसोड में एरिका पैकर्ड ने अपनी सबसे करीबी दोस्त ऐश्वर्या खरे को ही बाहर करने का फैसला लिया। यह फैसला सभी के लिए चौंकाने वाला था, खासकर अनीता के लिए, क्योंकि दो एपिसोड पहले ही एरिका ने ऐश्वर्या को अपनी सब कुछ बताया था।

खास बात यह है कि जब एरिका ने यह फैसला तब सुनाया, जब ऐश्वर्या वहां मौजूद नहीं थीं। अनीता ने अपनी दोस्त की अनुपस्थिति में उनका पक्ष लिया और कहा, मैं अपनी दोस्त के लिए लड़ूंगी।

अनीता का मानना है कि अगर ऐश्वर्या वहां होतीं, तो वह खुद अपनी बात रखतीं। अनीता के अलावा शो के होस्ट रणविजय ने भी ऐश्वर्या का समर्थन किया।

इसके बाद ऐश्वर्या को अपने नामांकन के बारे में पता चला, जिस पर उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह जगह हर तरफ से आपकी परीक्षा लेती है।

बता दें, लेटेस्ट एपिसोड में वोटिंग राउंड के दौरान ऐश्वर्या ने एरिका का नाम लिया था ताकि वो बसेरा की मालकिन बन सकें।

ऐश्वर्या ने कहा, हम दोनों बहुत अच्छे दोस्त थे, एक-दूसरे का साथ देते थे। ये सब तो बस एक खेल का हिस्सा है, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा कुछ हो जाएगा। जब नोमिनेशन में एरिका ने मेरा नाम लिया, तो मुझे ये सब बदला लगा। उसके पास और भी नाम थे, लेकिन उसने फिर भी मेरा नाम चुना, जिससे पता चलता।

इस बीच, एरिका ने भी अपने फैसले को सही ठहराते हुए कहा, यह गेम की एक रणनीति थी और आगे बढ़ने के लिए जरूरी भी था।

कूली बनी 300 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली फास्टेस्ट तमिल फिल्म, 200 करोड़ी क्लब में शामिल ऋतिक-जूनियर एनटीआर का एक्शन ड्रामा

रजनीकांत की एक्शन फिल्म कूली और बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर वॉर 2 के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिल रही है. दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन करती दिख रही हैं. हालांकि, दो दिनों में रजनीकांत की फिल्म ऋतिक रोशन-जूनियर एनटीआर की फिल्म पर भारी पड़ती दिख रही है. आइए देखें कि कूली और वॉर 2 ने तीसरे दिन कितनी कमाई की हैं.

कूली और वॉर 2 दोनों फिल्में 14 अगस्त को बड़े पर्दे पर रिलीज हुईं और रिलीज के बाद से ही इनकी कमाई में गिरावट देखी गई. दोनों फिल्मों ने पहले दिन शानदार कमाई की, लेकिन दूसरे दिन से ही इनकी कमाई में भारी गिरावट आ गई. इस गिरावट के बावजूद रजनीकांत स्टारर इस फिल्म ने ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की फिल्म वॉर 2 पर बढ़त बनाए रखी है.

स्वतंत्रता दिवस से पहले की छुट्टियों में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की फिल्म ने जबरदस्त धूम मचाई. सैकनिल्क के मुताबिक, रिलीज के पहले दिन वॉर 2 ने 52 करोड़ की कमाई के साथ फिल्म ने बड़ी छलांग लगाई. पहले शुक्रवार को, फिल्म के कलेक्शन में उछाल देखा गया. इसने भारत में सभी भाषाओं की कमाई को मिलाकर 57.35 करोड़ रुपये कमाए.

हालांकि, तीसरे दिन, फिल्म का कारोबार धड़ाम से गिर गया. सैकनिल्क मुताबिक, अयान मुखर्जी की निर्देशित फिल्म ने जन्माष्टमी के मौके पर सभी भाषाओं में 33.25 करोड़ रुपये कमाई. तीन दिनों के घरेलू बॉक्स ऑफिस पर वॉर 2 का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 142.6 करोड़ रुपये हो गया है.

वॉर 2 के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो ऋतिक रोशन-जूनियर एनटीआर की एक्शन ड्रामा वॉर 2 ने तीन दिनों में दुनिया भर में लगभग 215 करोड़ रुपये की कमाई की है. हालांकि, तीसरे दिन भारी गिरावट के बाद वीकेंड में फिल्म के कलेक्शन में उछाल देखने को मिल सकता है.

रजनीकांत अभिनीत यह फिल्म उनके फैंस की भारी उत्सुकता के साथ रिलीज हुई थी. यह उत्साह पहले दिन ही शानदार कमाई में बदल गया. सैकनिल्क के मुताबिक, रजनीकांत स्टारर ने सभी भाषाओं में 65 करोड़ रुपये की शानदार कमाई के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला. हालांकि दूसरे दिन फिल्म के कलेक्शन में 15.77 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई.

फिल्म ने पहले शुक्रवार को 54.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. गिरावट का सिलसिला तीसरे दिन भी देखने को मिला. जन्माष्टमी के मौके पर कूली ने 29.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ मात्र 38.6 करोड़ रुपये कमाए. इसी के साथ भारत में कूली की कुल कमाई 158.35 करोड़ रुपये हो गई है.

ट्रेड एनालिस्ट सुमित कडेल के मुताबिक, कूली ने सिर्फ 3 दिनों में 300 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई के साथ रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं. यह आंकड़ा पार करने वाली अब तक की सबसे तेज तमिल फिल्म बन गई है. 3 दिनों में फिल्म ने दुनियाभर में 320-325 करोड़ रुपये कमाए हैं. यह फिल्म एक बड़ी हिट है और ब्लॉकबस्टर का दर्जा हासिल करने की ओर अग्रसर है. यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह 2.0 को पीछे छोड़कर अब तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म बन पाएगी?

न्यूयॉर्क की धरती पर जाकिर खान ने रचा इतिहास, अमेरिकी कलाकार बोला- मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा

भारत के मशहूर स्टैंडअप कॉमेडियन जाकिर खान ने अमेरिका की धरती पर अपनी हिंदी कॉमेडी से नया इतिहास रच दिया है। न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में हिंदी स्टैंड-अप शो की शुरुआत करने वाले जाकिर खान पहले भारतीय बन चुके हैं। हजारों लोगों के सामने उन्होंने 17 अगस्त को अपनी कॉमेडी से ऐसा समा बांधा कि अपना नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज करा लिया। जाकिर की इस उपलब्धि पर उन्हें अमेरिकी लेखक और कॉमेडियन हसन मिन्हाज ने भी शुभकामनाएं दीं और इस पल को ऐतिहासिक बताया।

जाकिर खान ने रविवार को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में हिंदी स्टैंड-अप स्पेशल शो किया। इसमें 6 हजार से ज्यादा लोग मौजूद थे। विदेश में जाकिर ने हिंदी में कॉमेडी की और कॉमेडी के साथ-साथ हिंदी का मान भी बढ़ाया। यहां उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन मिला। जाकिर को सोशल मीडिया पर सेलेब्स से लेकर फैंस तक बधाई और शुभकामनाएं दे रहे हैं।

अमेरिकी कलाकार ने बताया ऐतिहासिक

अमेरिका में जन्मे और अमेरिका में ही रहने वाले हसन मिन्हाज भी इस शो के दौरान जाकिर खान के साथ ही थे। उन्हने इंस्टाग्राम पर जाकिर के साथ अपनी तस्वीरें और उनका वीडियो भी शेयर किया है। इसके साथ हसन ने लिखा, "दुनिया भर में कॉमेडी के लिए एक ऐतिहासिक रात। कल रात मैंने अपने भाई जाकिर खान को 'द गार्डन' पर पूरी तरह से हिंदी में हेडलाइन करने वाले इतिहास के पहले कॉमेडियन बनते देखा। वो कहानी और कविता को ऐसे तरीके से जोड़ते हैं जो कॉमेडी की विधा को उस मुकाम तक पहुंचा रहे हैं जो मैंने पहले कभी नहीं देखा। मुझे यह भी लगता है कि मेरे माता-पिता उन्हें मुझसे ज्यादा प्यार करते हैं (मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है)।"

जाकिर को मिला स्टैंडिंग ओवेशन

जाकिर खान के न्यूयॉर्क के इस शो के वीडियो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। जाकिर ने भी वो वीडियो अपने इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर किया है जिसमें उन्हें ऑडियंस की तरफ से स्टैंडिंग ओवेशन मिला है। कॉमेडियन का ये वीडियो सोशल मीडिया पर फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इसमें दर्शकों का अभिवादन करते हुए जाकिर उनका आभार भी जता रहे हैं। वहीं न्यूयॉर्क के विश्व प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर के बिलबोर्ड पर भी जाकिर खान के पोस्टर्स छाए रहे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित । शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com